सांध्य दैनिक
भारत मत
Web- www.bharatmatepaper.com

मौसम

	ग्वालियर	भोपाल
	अधि. 32.0	अधि. 28.0
	न्यून. 26.0	न्यून. 23.0

सिनेमा@पेज-07

■ ग्वालियर ■ झांसी ■ भोपाल से एक साथ प्रकाशित
झांसी, रविवार 06 जुलाई 2025 आषाढ़ शुक्लपक्ष-11, संवत 2082, वर्ष-10 अंक-318 कुल पृष्ठ-8
मूल्य₹ 2.00
Email- editorbharatmat@gmail.com

अपराध यहां न्यू नॉर्मल; दो दिन पहले कारोबारी को सरेआम गोली मारी थी

खेमका की हत्या पर राहुल बोले- बिहार 'क्राइम कैपिटल' बना:भाजपा-नीतीश सरकार नाकाम

पटना, एजेंसी

बिहार की राजधानी पटना में कारोबारी गोपाल खेमका मर्डर केस को लेकर राहुल गांधी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सत्तारूढ़ भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि दोनों ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। राहुल गांधी ने यह बात सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कही। पटना में बिजनेसमैन गोपाल खेमका की शुक्रवार को हत्या कर दी थी। वारदात के 2 दिन बाद भी अपराधी पुलिस गिरफ्त से दूर हैं। मर्डर के बाद एक्टिव हुई पटना पुलिस की टीम ने वारदात वाली जगह से अपनी जांच शुरू की। सबसे पहले सीसीटीवी के फुटेज को खंगाला गया। उसमें अपराधी अपनी गाड़ी से फ्रेजर रोड की तरफ जाते हुए दिखा। राहुल गांधी ने लिखा- पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है - भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके

भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली - एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का - जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है। 7 साल पहले बेटे की हुई हत्यागोपाल खेमका के 2 बेटे हैं। 2018 में उनके बेटे गुंजन खेमका की इसी तरह फैक्ट्री के गेट पर हत्या हुई थी। हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया में उनकी कॉटन फैक्ट्री के सामने उन्हें अपराधियों ने गोली मार दी थी। गोपाल खेमका के दूसरे बेटे गौरव IGIMS में डॉक्टर हैं। उनकी बेटी लंदन में रहती हैं। उनका पेट्रोल पंप से लेकर फैक्ट्री और अस्पताल का बिजनेस है। बिहार के बड़े कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या जमीन विवाद में की गई है। खेमका की हत्या सुपारी देकर कराई गई है। जमीन विवाद को देखते हुए पुलिस की टीम ने शनिवार को फतुहा के औद्योगिक क्षेत्र और आरा में छापेमारी की। आईजी जितेंद्र राणा ने बताया कि पुलिस हत्या की जांच जमीन विवाद के एंगल पर भी कर रही है। पटना के उद्योगपति गोपाल खेमका हत्याकांड के बाद शनिवार को पटना के बेउर जेल में छापेमारी की गई। जेल में 3 मोबाइल मिलने के बाद तीन कक्षपाल को सस्पेंड किया गया है। वहीं तीन अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। बेउर जेल से तीनों मिले मोबाइल को ढ्ढत्र जितेंद्र राणा जांच के लिए अपने साथ ले गए हैं। बिहार के जानेमाने उद्योगपति गोपाल खेमका की पटना में शुक्रवार रात हत्या हुई। उन्हें उनकी अपार्टमेंट के गेट पर ही अपराधी ने गोली मारी। मर्डर का वीडियो भी सामने आया है। मामले को लेकर पटना पुलिस जांच कर ही है। हत्या के तार बेऊर जेल से जुड़ रहे हैं।

जाने-माने व्यवसायी थे गोपाल खेमका

बिहार में शुक्रवार रात साढ़े 11 बजे बिजनेसमैन गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। खेमका गांधी मैदान थाना क्षेत्र के रामगुलाम चौक के पास कटारुका निवास में रहते थे।अपराधियों ने खेमका को उनके अपार्टमेंट के गेट के ठीक सामने अपराधी ने गोली मारी थी। परिजन उन्हें पटना के मेडिवर्सल अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हत्या का ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज भी सामने आया है। इसमें एक अपराधी उन्हें गोली मारकर भागते हुए दिखाई दे रहा है। वह बाइक से आया था।गोपाल खेमका देर रात खुद गाड़ी ड्राइव करते हुए बांकीपुर क्लब से घर लौटे थे। वो जैसे ही अपार्टमेंट के पास पहुंचे, घात लगाए अपराधी ने सिर में गोली मार दी दी।

प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव, मंडला, जबलपुर व शिवपुरी व श्योपुर में फिर अतिवृष्टि की संभावना

मप्र के 28 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, ग्वालियर-चंबल और महाकोशल-विंध्य में जमकर बरसे बादल

भोपाल

मध्य प्रदेश के उत्तरी-पूर्वी जिलों में भारी बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। ग्वालियर-चंबल संभाग के श्योपुर-शिवपुरी जिलों में 36 गांवों का संपर्क मुख्यालयों से कट गया है। 70 गांव हाई अलर्ट पर हैं। श्योपुर के बनीपुरा गांव में क्वारी नदी का पानी भरने से ग्रामीणों को गांव से अन्यत्र शिफ्ट करना पड़ा है। इधर विंध्य-महाकोशल के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। पुलों पर पानी बह रहा है। कई पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई हैं। सड़कें बह गई हैं। एक दर्जन सड़कों पर यातायात रोकना पड़ा है। मध्य प्रदेश के 28 जिलों रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, दतिया और अशोकनगर जिले में भारी

बारिश के आसार हैं। प्रभावी मौसम प्रणालियों के सक्रिय रहने से प्रदेश के उत्तरी एवं पूर्वी क्षेत्र में कई स्थानों पर भारी बारिश हो रही है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक रविवार-सोमवार को भी रीवा, शहडोल, जबलपुर, सागर, ग्वालियर संभाग के जिलों में भारी बारिश के आसर हैं। इस दौरान कटनी, मंडला,सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडौरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी,बालाघाट, पन्ना, दमोह, मैहर, शिवपुरी एवं श्योपुरकलां में अति भारी बारिश हो सकती है।

विंध्य-महाकोशल में तेज बारिश

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात से शनिवार सुबह कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई है। इससे नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। विंध्य-महाकोशल में सिवनी, मंडला, डिंडौरी, कटनी, नरसिंहपुर, सीधी,शहडोल, अनुपपुर व उमरिया में भारी बारिश हुई है। डिंडौरी में बारिश के चलते करंजिया जनपद अंतर्गत ग्राम माधोपुर के पास जबलपुर अमरकंटक नेशनल हाईवे पर आवागमन बाधित हुआ। शहडोल के केशवाही क्षेत्र के महरान टोला में दीवार ढहने और उसके मलबे में दबने से दंपती की मौत हो गई। नरसिंहपुर में भारी बारिश से धमना-सांकल मार्ग और नरसिंहपुर से गोटेगांव मार्ग के बीच बरहटा शेढ़ नदी का पुल डूब गया है।

चंबा-मंडी में बादल फटने से 5 पुल बहे: राज्य में अब तक 75 की मौत

नई दिल्ली/शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के चंबा और मंडी जिले में बादल फट गया है। इससे राज्य में 5 पुल बह गए हैं। चंबा में कंघेला नाले पर बना पुल बह गया। वहीं, मंडी जिले की चौहार घाटी में एक वाहन-यातायात और तीन पैदल पुल बह गए। हिमाचल प्रदेश में 20 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। तब से लेकर 4 जुलाई तक बाढ़-लैंडस्लाइड की घटनाओं में 75 लोगों की मौत हो चुकी है। 288 लोग घायल हैं। बादल फटने की घटनाओं में सबसे ज्यादा 14 मौतें मंडी जिले में हुई हैं। यहां 31 लोग अभी भी लापता हैं। राज्य में आज भी तेज बारिश का रेड अलर्ट है। झारखंड में शनिवार को तेज बारिश हुई। रामगढ़ जिले के महुआ टांगरी में सुबह के वक्त अवैध कोयला खदान धंस गई। इसमें 4 लोगों की मौत और 4 घायल हो गए। राज्य में सोमवार सुबह तक तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। मध्य प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से बाढ़ के हालात हैं। तेज बारिश के कारण मंडला जिले में नर्मदा नदी उफान पर है। इधर, नरसिंहपुर को होशंगाबाद से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे पर मौजूद पुल ढह गया। बिहार के 18 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट है। इन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। तेज हवा भी चल सकती है। शनिवार को अररिया, मुंगेर में बारिश हुई। सासाराम में बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई।

अमरनाथ यात्रा- तीन दिन में 48,000 ने दर्शन किए

7000 यात्रियों का चौथा जत्था गांदरबल-पहलगाम बेस कैंप पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमरनाथ यात्रा के तीसरे दिन 21,109 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। इनमें 16,159 पुरुष और 3,921 महिलाएं शामिल रहीं। 226 बच्चे, 250 साधु, 29 साध्वी, 521 सुरक्षाबलों के जवान और 3 ट्रांसजेंडर श्रद्धालु भी दर्शन के लिए पहुंचे। पवित्र अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी। पहले 3 दिन में 47,972 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। इस बीच 7000 यात्रियों का चौथा जत्था गांदरबल में बालटाल और अनंतनाग के पहलगाम में नुनवान बेस कैंप पहुंच गया है। इधर, शनिवार को अमरनाथ यात्रियों को लेकर जा रहे काफिले की चार बसों में टक्कर हो गई। रामबन जिले में चंदरकोट लंगर के पास हुए हादसे में करीब 36 यात्री घायल हो गए हैं। हादसा तब हुआ, जब ब्रेक फेल होने के कारण एक बस का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इससे काफिले में शामिल तीन और बसें आपस में

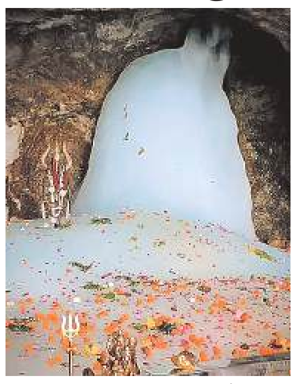

टकरा गईं। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूट से जारी है। समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। अबतक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। यहां रोज 2000 श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन जारी है।

गोविंद को भेजा गया जेल, तीन आरोपितों की तलाश में दबिश

अरशद अली की हत्या, पोस्टमार्टम में मिले 12 घाव

प्रयागराज, एजेंसी

महेवा गेट के पास फौव्वारा चौराहे पर सरेराह कार चालक 35 वर्षीय अरशद अली उर्फ शेबू की चाकू से मारकर की गई हत्या बड़ी बेरहमी से की गई थी। चाकू से इस कदर वार किया गया था कि उसके बचने की कोई संभावना ही न रहे। शनिवार को डाक्टरों ने शव का पोस्टमार्टम किया तो उसके शरीर पर चाकू के 12 वार मिले। इसमें गर्दन में दो, सीने में चार, बाएं हाथ की कोहनी, बाजू व पंजे में दो-दो प्रहार किए गए थे। मड़ौका मोहब्बतगंज बल्दी का पुरा निवासी अरशद अली उर्फ शेबू पुत्र तस्लीम अली की महेवा गेट के पास फौव्वारा चौराहे पर शुक्रवार शाम रुपये के लेन-देन में हुए विवाद में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। घटनास्थल पर मौजूद लोगों समेत पुलिस को भी यही लगा था कि उसके गर्दन व सीने में ही चाकू से

वार किया गया है, लेकिन शनिवार को पोस्टमार्टम हुआ तो इसमें उसके शरीर पर चाकू के कई घाव मिले। सूत्रों के मुताबिक डाक्टरों को उसकी बाएं तरफ की गर्दन में दो, सीने में चार, बाएं हाथ की कोहनी, बाजू व पंजे में दो-दो चाकू के घाव मिले। हाथ में पंजे में चाकू के प्रहार से अनुमान लगाया जा रहा है कि जब उस पर चाकू से वार किया जा रहा था तो उसने खुद को बचाने की कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रहा। पोस्टमार्टम के बाद स्वजन शव लेकर घर को निकले। किसी प्रकार की शांति व्यवस्था में व्यवधान न उत्पन्न हो, इसके लिए नैनी समेत दो और थाने की पुलिस तैनात की गई थी।

अरशद अली उर्फ शेबू की हत्या के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपित गोविंद निवासी मोहब्बतगंज को शनिवार को नैनी पुलिस ने जेल भेज दिया। इसके पहले उससे पूछताछ की गई, जिस पर उसने अपने तीन साथियों के नाम बताए। तीनों की तलाश में नैनी थाने की दो टीम के साथ ही एसओजी यमुनानगर भी लगी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही तीनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। शेबू की हत्या के करीब एक घंटे बाद ही पुलिस ने मुख्य आरोपित गोविंद को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया था। हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया था। रात को पुलिस अधिकारियों ने उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके पिता बजरंगी ने शेबू से कुछ रुपये उधार लिए थे। प्रतिदिन शेबू तगादा करता था। शुक्रवार सुबह वह घर आया था और उसके पिता को उल्टा-सीधा कहा था। इससे मुहल्ले में काफी बेइज्जती हुई। उस समय वह घर पर नहीं था। बाद में जब उसे पता चला तो उसने अपने तीन साथियों के साथ उसे सबक सिखाने की साजिश रची। फोन करके उससे कहा कि शाम को फौव्वारा चौराहे पर आकर अपने रुपये ले जाए। वह वहां पहुंचा तो पिता को उल्टी-सीधी बात कहने का विरोध जताया, जिस पर वह अपशब्द कहने लगा। कालर पकड़ लिया, जिस पर मारपीट शुरू हो गई और फिर चाकू से हमला कर उसे मार डाला। पुलिस को उसने अपने तीन साथियों के नाम, पते व मोबाइल नंबर बताया। पुलिस तीनों के घर पहुंची, लेकिन वह नहीं मिले। उनके घरवाले भी गायब थे।

बिक्रम सिंह मजीठिया को बड़ा झटका, मोहाली कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

चंडीगढ़। पंजाब में अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की मुश्किलें बढ़ गई हैं। रविवार को मोहाली की अदालत ने उन्हें आय से अधिक संपत्ति मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अकाली नेता को नाभा जेल में भेजा जाएगा। इस मामले में अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी। मजीठिया 11 दिनों तक विजिलेंस रिमांड पर थे। सरकारी वकील ने हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में मजीठिया की %अवैध रूप से अर्जित% संपत्तियों से संबंधित जांच का हवाला दिया था। संबंधित मामले में, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने 4 जुलाई को राज्य के वकील से अवैध गिरफ्तारी और उसके बाद रिमांड के खिलाफ मजीठिया की याचिका पर सुनवाई स्थगित करते हुए निर्देश मांगने को कहा था।

शहर में पहले से कई केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी

काशी में सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूत, RAF बटालियन की स्थापना को मिली अनुमति

वाराणसी

काशी काफी संवेदनशील शहर है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के निर्माण के बाद यहां आने वाले भक्तों और पर्यटकों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यहां से सांसद बनने के बाद से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के बड़े-बड़े आयोजन होते रहे हैं। देव दीपावली जैसे कई आयोजन होते हैं जिसमें एक साथ एक स्थान पर लाखों लोग इकट्ठा होते हैं। साथ ही मिश्रित आबादी वाला क्षेत्र होने की वजह से तनाव की स्थितियां रहती हैं। इन आवश्यकताओं को महसूस करते हुए केंद्र सरकार ने काशी में त्वरित रूप से सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने के लिए आरएएफ (रैपिड ऐक्शन फोर्स) की बटालियन भंदहा कला (चौबेपुर) में स्थापित करने की अनुमति दे दी है। आरएएफ

बटालियन के लिए जिला प्रशासन ने भंदहा कला में रक्षा संपदा की भूमि का चयन किया। सेना की भूमि होने की वजह से लंबी प्रक्रिया के बाद आरएएफ बटालियन की स्थापना के लिए 41.22 एकड़ भूमि आरएएफ को सौंप दी गई। आरएएफ के भी पैरा मिलिट्री फोर्स होने के कारण केंद्र सरकार से कोई विशेष दिक्कत नहीं आई। सभी औपचारिकता पूरी हो गई हैं। बटालियन के लिए कुछ और भूमि की जरूरत थी। इसके लिए 7.50 एकड़ भूमि आसपास के काश्तकारों से ली जा रही है। जिला प्रशासन के प्रयास से 40 काश्तकारों को चिह्नित कर उनसे सहमति प्राप्त कर ली है। उनसे कीमत तय कर रजिस्ट्री की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। आरएएफ की स्थापना से काशी ही नहीं पूर्वांचल में कोई घटना होने पर त्वरित सुरक्षा की कार्रवाई में सहयोग मिलेगा। काशी में पहले से ही सीआरपीएफ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की कंपनियां सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

संगठनात्मक अनुभव के साथ जातीय-क्षेत्रीय समीकरण देखे जा रहे; केंद्रीय चुनाव समिति का गठन जल्द

शिवराज सिंह और खट्टर समेत 6 चेहरे भाजपा अध्यक्ष की रेस में

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा जल्द ही नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, भाजपा नए अध्यक्ष के लिए 6 नामों पर विचार कर रही है, इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। वहीं, भाजपा महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े भी रेस में बताए जा रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए तीन मुख्य बातों- संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय

संतुलन, जातीय समीकरण को ध्यान में रख रही हैं। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति का गठन हो सकता है। यदि चुनाव की जरूरत पड़ती है तो यह समिति नामांकन, जांच और मतदान की प्रक्रिया की पूरी करेगी। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्?डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है। पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50त्न राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुनने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं। इनमें से 26 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। भाजपा ने जुलाई के शुरुआत 2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने। इसके बाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। पार्टी ने 1-2 जुलाई को 9 राज्यों (हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दमन दीव और लद्दाख) में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव किया। पार्टी के नियम के अनुसार बीजेपी अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल का होता है। एक व्यक्ति 2 बार से अधिक पार्टी का अध्यक्ष नहीं बन सकता। ऐसे में अब पार्टी के नए अध्यक्ष को 12 अहम चुनाव अपने कार्यकाल में कराने होंगे।

जम्मू-कश्मीर में आतंक के खिलाफ बड़ा एक्शन

एसआईए ने हिजबुल सरगना समेत 11 के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने आतंक के खिलाफ कड़ा शिकंजा कसा है। एसआईए ने यहां नार्को-आतंकवाद मामले के सिलसिले में पाकिस्तान में मौजूद हिजबुल मुजाहिदीन सुप्रीमो सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन सहित 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि मामला सबसे पहले 2022 में एसआईए, जम्मू द्वारा दर्ज किया गया था और जांच में आतंकवादी सहयोगियों

और कूरियर के एक सुव्यवस्थित नेटवर्क का पता चला था। यह नेटवर्क मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में मदद करके प्रतिबंधित संगठन की मदद कर रहे थे। मध्य कश्मीर के बडगाम के सिबुग गांव निवासी सलाहुद्दीन के अलावा, जो वर्तमान में सीमा पार से सक्रिय है, बडगाम के खान साहिब इलाके के एक अन्य हिजबुल आतंकवादी बशारत अहमद भट का नाम भी आरोपपत्र में शामिल है। एजेंसी प्रवक्ता ने बताया कि वह पाकिस्तान के रावलपिंडी से अपनी गतिविधियां चलाता है। अन्यों की पहचान राजौरी के खालिद हुसैन, पुंछ के मोहम्मद शोकित, बडगाम के जाविद अहमद राथर, श्रीनगर के मंजूर अहमद और आसिफ रहमान रेशी तथा जम्मू के हरप्रीत सिंह, चैन सिंह, साहिल कुमार और संदीपक सिंह के रूप में हुई है।

ब्रीफ न्यूज

भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर संवाद

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के मौके पर शनिवार को राजधानी में सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग शामिल होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल के स्वागत भाषण से होगी, जिसमें वे इस संवाद के उद्देश्य और सहकारिता की भूमिका पर बात करेंगे। इसके बाद युवाओं और अतिथियों के बीच सहकारिता से समावेशी और टिकाऊ विकास पर चर्चा होगी। कार्यक्रम के दौरान राज्य सहकारी संघ की ओर से भारत सरकार के हस्तशिल्प विभाग द्वारा बनाई गई टूलकिट का वितरण किया जाएगा। ये टूलकिट सीएचसीडीएस योजना के तहत हस्तशिल्प सीख रहे प्रशिक्षणार्थियों को दी जाएंगी। इस आयोजन में विषय विशेषज्ञ सहकारिता की समझ, इसके प्रकार, कानूनी ढांचा, रोजगार की संभावनाएं और 'सहकार से समृद्धि' योजना के बारे में जानकारी देंगे। यह कार्यक्रम राज्य सहकारी संघ और अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज द्वारा मिलकर आयोजित किया जा रहा है।

भोपाल में तीन नवविवाहिताओं ने की खुदकुशी

भोपाल। राजधानी में घरेलू हिंसा की वजह से एक ही दिन में तीन नवविवाहिताओं ने अलग-अलग इलाकों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ये घटनाएं एमपी नगर और कोलार थाना क्षेत्र की हैं। पुलिस ने तीनों मामलों में पतियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के तहत केस दर्ज किया है। एमपी नगर में रहने वाली 25 वर्षीय फरहा खान ने 16 जून को अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी। मामले की जांच कर रहे एसीपी अक्षय चौधरी के अनुसार, फरहा का पति आमिर उसे लगातार मायके से पैसे लाने के लिए दबाव डालता था। घटना वाले दिन भी आमिर ने फरहा को मायके भेजा था। जब वह पैसे नहीं ला सकी तो तनाव में आकर उसने आत्महत्या कर ली। फरहा की मौत के बाद परिजनों के बयान और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर आमिर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कोलार क्षेत्र में भी दो नवविवाहिताओं ने पति की प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी कर ली।पहली घटना में 21 वर्षीय संगीता कपाड़िया ने अपने ससुराल में फांसी लगाकर जान दी।

आपदा में एंबुलेंस ही नहीं, अब पूरा अस्पताल पहुंचेगा...

भोपाल। आपदा या युद्ध जैसी स्थिति में अब अस्पताल खुद चलकर मरीजों के पास पहुंचेगा। एम्स भोपाल को हाईटेक पोर्टेबल ट्रॉमा सेंटर आरोग्य मैत्री हेल्थ क्यूब मिल गया है। यह 20 मिनट में पूरी तरह 200 बेड का फंक्शनल अस्पताल बन जाता है। 12 मिनट में ऑपरेशन थिएटर तैयार हो जाता है। यह तकनीक रक्षा मंत्रालय के प्रोजेक्ट आरोग्य मैत्री के तहत तैयार की गई है। आरोग्य मैत्री को पहली बार जनवरी में अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के दौरान प्रदर्शित किया गया था। अब इसका एक यूनिट एम्स भोपाल को सौंपा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान यूक्रेन को भी यह पोर्टेबल अस्पताल गिफ्ट किया था। अब यह तकनीक आम जनता की जान बचाने के लिए भारत में इस्तेमाल होगी। आरोग्य मैत्री बिजली, पानी, जीवनरक्षक दवाओं, जांच उपकरण और टेलीमेडिसिन जैसी सुविधाओं से लैस है।

दूसरी बार हुआ एससी 3 से रेडिएशन तक ट्रॉली ट्रायल

इंदौर। इंदौर मेट्रो का प्रायोरिटी कॉरिडोर पर कमर्शियल रन शुरू होने के बाद मेट्रो को सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर-3 से रेडिएशन तक चलाने की कवायद तेज हो गई है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य ने शुक्रवार को दूसरी बार सुपर कॉरिडोर से रेडिसन चौराहा तक के मेट्रो ट्रैक का ट्रॉली ट्रायल किया। यह निरीक्षण सुपर कॉरिडोर के एससी-3 से आगे स्टेशनों पर मेट्रो संचालन शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एमडी चैतन्य ने कहा कि जुलाई अंत या फिर अगस्त के पहले सप्ताह में मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रेडिसन चौराहे के मेट्रो स्टेशन तक किया जाएगा, जिसकी तैयारी की जा रही है। इंदौर में शुक्रवार को चैतन्य ने टीम के साथ मालवीय नगर चौराहा, विजय नगर चौराहा, मेघदूत गार्डन, बापट चौराहा, हीरानगर, चंद्रगुप्त चौराहा, आईएसबीटी, एमआर-10, भौंरासला चौराहा, सुपर कॉरिडोर 1, सुपर कॉरिडोर 2 के स्टेशनों को कवर किया।

नर्मदा परिक्रमा तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए परिक्रमा पथ का विकास होगा : मुख्यमंत्री

आयोध्या धाम की तर्ज पर 2800 करोड़ की लागत से चित्रकूट धाम का किया जाएगा विकास

भारतमत संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अमरकंटक के पर्यटन विकास में नये आयाम जोड़े जायेंगे। उन्होंने कहा कि अमरकंटक धार्मिक एवं पर्यटन के लिए विश्व प्रसिद्ध है यह त्रिवेणी नर्मदा, सोन एवं जोहिला का मायका है, मध्यप्रदेश सरकार नर्मदा परिक्रमा पथ क्षेत्र के समग्र विकास के लिये संकल्पबद्ध है। इसके तहत घाटों का विकास, अन्न क्षेत्र का विकास और वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा। नदियां हमारी समृद्धि का माध्यम हैं और नर्मदा परिक्रमा के तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिये भवन बनाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि अनूपपुर का 13 करोड़ की राशि से निर्मित रामसेतु ऋषिकेश में बने सेतु की याद दिलाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अनूपपुर जिले के कोतमा में आयोजित हरियाली से खुशहाली का नया परिवेश कार्यक्रम में अमृत हरित महाअभियान तथा हितग्राही सम्मेलन को रीवा से वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोतमा में आयोजित हितग्राही सम्मेलन में रिमोट का बटन दबाकर 443.31 करोड़ रुपए की लागत वाले 114 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने नीट एण्ड जेईई कोचिंग, अमरकंटक में नर्मदा नदी पर प्रसाद योजना के तहत राम घाट पर बनाए गए रामसेतु का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य और केन्द्र की सरकार प्रदेश में धार्मिक एवं आस्था वाले तीर्थ स्थानों का लगातार विकास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या धाम की तर्ज पर 2800 करोड़ की लागत से

चित्रकूट धाम का भी विकास किया जाएगा। राज्य और केंद्र की सरकार 1450 किलोमीटर लंबा राम वन गमन पथ तैयार करने पर कार्य कर रही है। बदलते दौर के मध्यप्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनूपपुर जिले में नीट एवं जेईई की निःशुल्क प्रवेश परीक्षा की तैयारियों के लिए 84 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस की शुरुआत एक अभिनव और अनुकरणीय पहल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनूपपुर के लोगों को स्वच्छ पेयजल, बेहतर सड़क सुविधा और युवाओं को बेहतर शिक्षा मिलेगी। अनूपपुर में नए केंद्रीय विद्यालय का निर्माण हो रहा है। आज सोन बैराज का भूमि-पूजन हुआ है, इससे सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। शीघ्र ही लगभग 13 करोड़ की लागत से इनडोर स्टेडियम और स्टेडियम तैयार किया जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को गुरुपूर्णिमा की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि आगामी 10 जुलाई को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों को साईकल वितरण तथा शिक्षा संस्थानों का लोकार्पण किया जाएगा। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सहयोग से प्रदेश सरकार किसान, महिला, युवा, गरीब के जीवन को बेहतर बनाने के लिए संकल्पित है। प्रदेश में महिलाओं को शासकीय सेवाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना की पात्र हितग्राहियों को रक्षाबंधन से पहले अतिरिक्त 250 रुपए शगुन के रूप में मिलेंगे। दीपावली के बाद भाई दूज से लाडली बहनों को हर महीने 1500 रुपए दिए जाएंगे। राज्य सरकार संकल्प पूरा करते हुए 2028 तक 3000 रुपए बहनों के खातों में भेजेगी। इस अवसर पर उन्होंने वीरांगना रानी दुर्गावती और लोकमाता अहिल्या बाई का स्मरण करते हुए कहा कि इनकी अद्भुत प्रशासन क्षमता आज भी हम सब का मार्गदर्शन कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के 2 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 52 हजार रुपए हो गई है। प्रदेश सरकार ने स्कूली

हेमंत खंडेलवाल बोले-कार्यकर्ताओं की बदौलत ही सबकुछ हूं

भोपाल में प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष का हुआ स्वागत; दफ्तर में कर्मचारियों से भी मिले

भारतमत संवाददाता

भोपाल। मैं कार्यकर्ताओं की बदौलत ही सबकुछ हूं और उनके लिए अध्यक्ष नहीं बल्कि कार्यकर्ता ही हूं। इसी भाव से उनसे मिला करूंगा। भोपाल में पार्टी की जीत और मजबूती से ही प्रदेश में हमारी मजबूती दिखती है। यह कहना है प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का। वे शुक्रवार को रविंद्र भवन में भाजपा भोपाल आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के इस मंच पर 12 शेर ही बैठे हैं। जिन्होंने पार्टी को इतनी ऊंचाई पर लाने का काम किया है। पिछले चुनाव में नगर निगम और नगरपालिकाओं के सारे टिकट उन्होंने ही बांटे थे लेकिन उन्हें ही टिकट दिया जिसे कार्यकर्ताओं और विधायकों ने चाहा। कार्यक्रम में मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि हेमंत खंडेलवाल शरीर से छोटे जरूर हैं पर राजनीतिक सोच बड़ी है। संगठन और सरकार प्रदेश के विकास को और तेजी से आगे बढ़ाएंगे। अगले चुनाव में भोपाल मध्य और भोपाल उत्तर में भी बीजेपी की जीत का संकल्प लेकर जाना है। यही वास्तविक स्वागत होगा।

पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह ने कहा कि नए अध्यक्ष जैसे बाहर से हैं, वैसे ही अंदर से सहज और सरल हैं। वहीं पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने कहा कि हेमंत खंडेलवाल के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद कार्यक्रम में मौजूद हर कार्यकर्ता अपने को प्रदेश अध्यक्ष मानता है। यही उनकी सहजता है। खंडेलवाल हमेशा पीछे रहकर काम करने वाले कार्यकर्ता हैं और उनके नेतृत्व में संगठन मजबूत होगा। पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने कहा कि हेमंत खंडेलवाल के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद कार्यक्रम में मौजूद हर कार्यकर्ता अपने को प्रदेश अध्यक्ष मानता है। यही उनकी सहजता है। खंडेलवाल हमेशा पीछे रहकर काम करने वाले कार्यकर्ता हैं और उनके नेतृत्व में संगठन मजबूत होगा। शुक्रवार को ही प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के साथ प्रदेश कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों से परिचय प्राप्त की। इस दौरान हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि आप सभी कर्मचारी पार्टी की एक अहम कड़ी हैं। आप केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि इस विचार परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक किसी संस्था से जुड़ता है, तो वह उस संस्था की संस्कृति, विचार और कार्यपद्धति का सहभागी बन जाता है।

ट्रैफिक पुलिस ने बदली ट्रैफिक व्यवस्था

भारतमत संवाददाता

भोपाल। मोहर्रम के जुलूस को लेकर पुराने शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। आज, कल और 7 जुलाई को शहर के चार रास्तों पर शाम 6 बजे से रूट डायवर्ट किए जाएंगे। 5 से 7 जुलाई तक शाम बजे से भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस ने आम लोगों से वैकल्पिक मार्ग के उपयोग की बात कही है। भारत टॉकीज, अल्पना तिराहा, नादरा बस स्टैंड, भोपाल टॉकीज, शाहजहांनाबाद, रॉयल मार्केट, कोहेफिजा तिराहा, करबला के रास्तों पर अतिरिक्त पुलिस फोर्स लगाया गया है। इन रास्तों पर शाम 6 बजे के बाद यातायात का दबाव रहेगा। भारत टॉकीज, अल्पना तिराहा, नादरा बस स्टैंड, भोपाल टाकीज, शाहजहांनाबाद, रॉयल मार्केट, कोहेफिजा तिराहा, करबला के रास्ते पर सभी प्रकार के मालवाहक, भारी और व्यवसायिक वाहनों पर रोक रहेगी। 6राजाभोज एयरपोर्ट की ओर जाने वाले वाहन भारत माता चौराहा, भदभदा चौराहा, साक्षी ढाबा तिराहा, नीलबड़ तिराहे से दाएं मुड़कर, नाथू बरखेड़ा रोड, मुगालिया छाप, खजूरी सड़क, खजूरी बायपास तिराहा-मुबारकपुर चौराहा होकर आवागमन कर सकेंगे।

भोपाल रेलवे स्टेशन की सुरक्षा में बड़ी चूक

प्लेटफॉर्म पर कार और स्कूटर दौड़ाते दिखे युवक

भारतमत संवाददाता

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर शनिवार तड़के एक युवक कार लेकर सीधे प्लेटफॉर्म पर चढ़ गया और ट्रैक किनारे तक कार दौड़ाता रहा। इस घटना ने स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इतना ही नहीं, एक अन्य युवक को प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर स्कूटर चलाते देखा गया। यह दोनों ही घटनाएं वहां मौजूद यात्रियों ने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कीं और अब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार सवार युवक तेज गति से प्लेटफॉर्म नंबर-6 की ओर आया और ट्रैक किनारे काफी आगे तक कार लेकर चला गया। शुक्र रहा कि उस समय वहां कोई ट्रेन नहीं थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं, प्लेटफॉर्म-4 पर स्कूटर दौड़ाते हुए दिखा दूसरा युवक भी यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता था। जानकारी के अनुसार, प्लेटफॉर्म नंबर-6 की ओर पार्सल कार्यालय के सामने से वाहन अंदर दाखिल हो सकते हैं। यही रास्ता स्टेशन की सुरक्षा में सबसे बड़ी कमजोरी बन चुका है। इसी मार्ग से कोई भी व्यक्ति बिना रोकटोक के प्लेटफॉर्म नंबर 6, 5 और 4 तक सीधे वाहन लेकर पहुंच सकता है। इस गेट पर ना तो कोई बैरिकेड है, न ही स्थायी सुरक्षा जांच की व्यवस्था। आरपीएफ भोपाल पोस्ट प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया, ÷हमें दो वीडियो मिले हैं। दोनों की जांच की जा रही है। फिलहाल इस मामले में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है, जांच के बाद कुछ कहा जा सकेगा। भोपाल स्टेशन पर रेलवे की लापरवाही का एक नया मामला सामने आया है, प्लेटफॉर्म 6 की तरफ एक युवक कार लेकर पहुंच गया, जिसके बाद आरपीएफ ने ड्राइवर को चेतावनी देकर छोड़ दिया।

5.28 रु. ज्यादा वसूलने के खिलाफ 7 साल केस लड़ा

भारतमत संवाददाता

इंदौर। इंदौर में एक ग्राहक से छाछ के 5 रुपए 28 पैसे ज्यादा लेने के बदले रिलायंस फ्रेश और सांची दुग्ध संघ को 5000 रुपए लौटाने होंगे। जिला उपभोक्त फोरम ने सात साल चले केस का फैसला ग्राहक के पक्ष में सुनाया है। वे कहते हैं लोग इस तरह ज्यादा वसूली को अकसर अनदेखा कर देते हैं। एजेंसियां ये ठगी कई लोगों से करती है। बात 31 मार्च 2018 की है। एडवोकेट नरेंद्र तिवारी ने ट्रेड सेंटर स्थित रिलायंस फ्रेश के स्टोर से सांची छाछ के 10ङ्10 रुपए वाले 3 पाउच खरीदे। इसके बदले उनसे 35.28 लिए गए हैं। तिवारी ने तुरंत आपत्ति जताई, लेकिन काउंटर से उनको रुपए नहीं लौटाए गए। बिल दिखाया तो संचालक ने कहा कि यह नियम है। यहां जो ज्यादा रुपए लिए गए हैं, उसका जिक्र है। उनसे सही कीमत ली गई है और 5.28 रुपए लौटाने से इनकार कर दिया। उन्होंने उपभोक्ता फोरम में केस दर्ज करा दिया। सात साल तक चले मामले में 40 बार सुनवाई हुई। अब फोरम ने आदेश दिया है कि रिलायंस फ्रेश और सांची दुग्ध संघ तिवारी को 2.64-2.64 रुपए लौटाएं। साथ ही मानसिक प्रताड़ना के लिए 3,000 और केस खर्च के 2,000 रुपए भी दें।

पटेल नगर के कॉलोनाइजर पर एफआईआर कराएगा निगम

मंत्री गौर की फटकार के बाद कार्रवाई; स्कूल के लिए छोड़ी जमीन 3.90 करोड़ में बेची

भारतमत संवाददाता

भोपाल। भोपाल के रायसेन रोड स्थित पटेल कॉलोनी के कॉलोनाइजर के विरुद्ध एफआईआर होगी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री कृष्णा गौर की नाराजगी के बाद नगर निगम ने पिपलानी थाने में एफआईआर के लिए आवेदन दिया है। कॉलोनाइजर ने निगम के प्लॉट ही बेच दिए। दूसरी ओर, लोगों को सुविधाएं भी नहीं दीं। 2 जुलाई को मंत्री गौर ने मंत्रालय में बैठक ली थी। इसमें बताया गया था कि पटेल नगर कॉलोनी में स्कूल, खेल मैदान, पार्क आदि के लिए छोड़े गए भू-खंडों को नगर निगम के लिए सौंपने के स्थान पर कॉलोनाइजर ने बेच दिया। नगर निगम के स्वामित्व के इन भू-खंड को बेचने का अधिकार कॉलोनाइजर को नहीं है। कॉलोनाइजर द्वारा किया गया यह कृत्य आपराधिक है। इसके बाद मंत्री गौर ने नगर निगम के अधिकारियों को कॉलोनाइजर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए थे। मंत्री गौर की नाराजगी के बाद सिटी प्लानर अनूप गोयल ने पिपलानी थाने में एफआईआर के लिए आवेदन दिया। इसमें बताया कि सेक्टर-बी, डी और ई में 1.25

एकड़ के हिसाब से कुल 3.75 एकड़ जमीन प्रायमरी स्कूल के लिए आरक्षित की गई थी। 16 जून 1962 में एसडीएम हुजूर के डायवर्सन के अनुसार, स्कूल, पार्क व खुले स्थानों की भूमि स्थानीय निकाय में समाहित होगी। इस प्रकार मेसर्स गंधर्व लैंड एवं फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड और निगम के बीच एग्रीमेंट भी हुआ था। जिसमें निगम के आधिपत्य में सदैव खुली भूमि, पार्क, स्कूल, दवाखाना, खेल मैदान, सड़क आदि का आधिपत्य और स्वामित्व निगम का रहेगा। बावजूद कॉलोनाइजर अनुज ग्रोवर और संबंधित कंपनी ने ई ब्लॉक में अवैध रूप से निगम स्वामित्व की प्रायमरी स्कूल की 1.212 एकड़ जमीन जय प्रताप सिंह यादव एवं अभिषेक आनंद को 3 करोड़ 90 लाख रुपए में 27 नवंबर-24 को बेच दी, जो कानूनन सही नहीं है। इसलिए कॉलोनाइजर पर केस दर्ज किया जाए। मंत्री गौर ने अफसरों से कॉलोनाइजर द्वारा विक्रय किए गए भू-खंड की रजिस्ट्री को शून्य कराने की प्रक्रिया भी शुरू करने को कहा है। साथ ही कॉलोनाइजर अन्य ओपन एरिया को विक्रय नहीं कर सके, इसकी व्यवस्था भी करने के निर्देश दिए हैं। पटेल नगर कॉलोनी 1960 के दशक में विकसित की गई थी। इसमें 700 से अधिक प्लाट हैं।

ओबीसी रिजर्वेशन: सदन से सड़क तक लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस

पटवारी ने ओबीसी वर्ग से किया आव्हान, कहा-एकजुट होकर सड़कों पर उतरें

भारतमत संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए कांग्रेस सदन से सड़क तक लड़ाई लड़ेगी। इसको लेकर प्रदेशभर में आंदोलन-प्रदर्शन किए जाएंगे। जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल होंगे। यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कही। वे आज (शनिवार) प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे। प्रेस वार्ता में मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, वरिष्ठ वकील वरुण ठाकुर एवं अन्य साथी उपस्थित रहे। पटवारी और सिंघार ने कहा कि मध्यप्रदेश की बीजेपी सरकार ने ओबीसी समाज के साथ धोखाधड़ी, विश्वासघात की सारी

हदें पार कर दी हैं। ओबीसी वर्ग को अपना हक न मिले, इसलिए सरकार संविधान के मूल ढांचे से खिलवाड़ कर रही है। संविधान में स्पष्ट है कि विधायिका से बने कानून का कार्यपालिका को अक्षरस÷ पालन करना होगा। हाईकोर्ट भी स्पष्ट निर्देश दे चुका है पर मोहन सरकार ओबीसी को 27त्न आरक्षण के संवैधानिक हक से वंचित रख रही है। नेताओं ने कहा कि यह ओबीसी विरोधी मानसिकता का सबसे घिनौना और क्रूर चेहरा है। सरकार लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय की हत्या कर रही है। बीजेपी की यह साजिश मध्य प्रदेश की 50त्न से अधिक आबादी को गुलाम बनाए रखने और उनके भविष्य को तबाह करने की है, जो अब बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने बताया कि सदन से सड़क तक की लड़ाई में राहुल गांधी बुंदेलखंड के किसी जिले में प्रदर्शन में शामिल होंगे। जिसकी तारीख अभी तय नहीं है।नेताओं ने कहा कि 26 फरवरी 2025 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा था कि ओबीसी को 27त्न आरक्षण देने पर कोई कानूनी रोक नहीं है। 7 अप्रैल 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने %यूथ फॉर इक्वलिटी% की याचिका को खारिज करते हुए दोहराया कि इस कानून पर कोई अड़चन नहीं है। इससे बीजेपी का हर बहाना फेल हो गया। फिर भी ओबीसी विरोधी साजिश को अंजाम दे रही है। उन्होंने कहा कि 25 जून 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए सवाल किया था कि जब कोई कानूनी बाधा नहीं है, तो 27त्न आरक्षण लागू क्यों नहीं किया जा रहा? उन्होंने कहा कि साल 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ओबीसी आरक्षण को 14त्न से बढ़ाकर 27त्न करने का क्रांतिकारी फैसला लिया था। यह निर्णय विधानसभा और कैबिनेट से मंजूरी पाकर लागू हुआ था, जो ओबीसी समाज के उत्थान और समानता का प्रतीक था, लेकिन बीजेपी ने सत्ता हथियाने के बाद इस हक को छीनने का घिनौना षड्यंत्र रचा और मध्य प्रदेश की 50त्न से अधिक आबादी को ठगने का काला खेल खेला।

खुद को जज बताकर एक महीने बुजुर्ग का किया परेशान

भारतमत संवाददाता

भोपाल। भोपाल के अरेरा कॉलोनी में रहने वाले 68 वर्षीय बुजुर्ग के मोबाइल पर दिसंबर से लगातार अनजान नंबर से कॉल और मैसेज आने लगे। कॉल करने वाला खुद को सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस बता रहा था। हैरानी की बात यह थी कि उसके वॉट्सऐप प्रोफाइल पर सुप्रीम कोर्ट के एक मौजूदा जस्टिस की फोटो लगी थी। डीपी देखकर बुजुर्ग भ्रमित हो गए और कुछ दिन तक बात करते रहे। धीरे-धीरे कॉल्स की टाइमिंग रात 12 बजे के बाद की होने लगी। मैसेजों की भाषा और विषय भी अजीब थे। थककर बुजुर्ग ने यह बात बेटे को बताई। बेटे ने हबीबगंज थाने में शिकायती आवेदन दिया। जांच के बाद अब अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। 24 दिसंबर 2024 को बुजुर्ग के मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा, मैं सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस बोल रहा हूं, आपकी बेटी मेरे बेटे के साथ पढ़ती है। इसके बाद लगातार वॉट्सऐप मैसेज भेजे जाने लगे। डीपी में सुप्रीम कोर्ट के जज की फोटो देखकर बुजुर्ग ने शुरुआत में विश्वास कर लिया।

युवक ने ऑटो का पीछा किया तो मारी गोली

ऑटो सवार ने बाइक को मारी थी टक्कर, पुलिस तलाश में जुटी

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

ग्वालियर में एक ऑटो सवार बदमाश ने एक बाइक सवार युवक को सिर्फ इसलिए गोली मार दी क्योंकि ऑटो से कट लगने के बाद युवक ने उसका पीछा किया। गोली मारने के बाद बदमाश फरार हो गया, जबकि पेट में गोली लगने से बाइक सवार घायल हो गया है। घटना शनिवार रात ग्वालियर के बेहट थाना क्षेत्र की है। घायल को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को मामले की सूचना दी। फिलहाल युवक की हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने ऑटो सवार हमलावर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

गांव गुहिसरपुरा, थाना बेहट निवासी सत्यभान पुत्र रामचरण गुर्जर शनिवार रात गोली लगने से घायल हुआ। जानकारी के अनुसार, सत्यभान शनिवार को बाइक से अपने दोस्त सुमित उर्फ करू के घर गया था। वहां से दोनों झिलमिल नदी के पास किसी से मिलने के लिए निकले थे। अभी वे कुछ ही दूरी पर पहुंचे थे कि सामने से तेज रफ्तार में आ रहे एक ऑटो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिर पड़े।

हादसे के बाद ऑटो चालक वाहन लेकर भाग गया। यह देख सत्यभान ने अपनी बाइक से उसका पीछा किया। रावली की घटिया के पास उसने ऑटो के आगे अपनी बाइक अड़ा दी। तभी ऑटो की पिछली सीट पर बैठे एक बदमाश ने कट्टा निकालकर उस पर गोली चला दी। गोली सत्यभान के पेट में लगी और वह घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। इसके बाद एक राहगीर ने उसे अपनी चारपहिया वाहन से अस्पताल पहुंचाया, जबकि दोस्त ने उसके परिजनों को सूचना दी। पुलिस को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, वह तुरंत अस्पताल पहुंची।

ऑटो छोड़कर भागे बदमाश चोरी का निकला वाहन

जब पुलिस ने क्षेत्र में घेराबंदी की, तो बदमाश जिस ऑटो में सवार थे, उसे रास्ते में छोड़कर भाग गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ऑटो को जब्त कर लिया। जब पुलिस ने ऑटो के रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच की, तो पता चला कि यह ऑटो चोरी का है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह ऑटो कब और कहां से चोरी हुआ था।

जामा मस्जिद में आयोजित शहादत नामा सम्पन्न, तबर्रुक वितरित

बबीना (झांसी)। जामा मस्जिद बबीना में हुसैनी जलसा कमेटी बबीना के तत्वावधान में इमाम हुसैन की शहादत की याद में आठवें दिन का विशेष प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गमगीन माहौल में शहादत नामे का बयानों के साथ समापन किया गया।

कार्यक्रम के अंत में हुसैनी कमेटी द्वारा तबर्रुक (प्रसाद) का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सभी लोगों ने भाग लिया। कमेटी के सदस्यों ने पूरे आयोजन को शांतिपूर्ण और अनुशासित ढंग से संपन्न कराया। इस अवसर पर पत्रकार शेख मुख्तार भोलू कुरैशी,अफज़ल खान पठान, वकील मंसूरी, शाहरुख मंसूरी, साहिल मंसूरी, सोहेल मंसूरी,हासिर खान मंसूरी, संजय मंसूरी, अल्लू मंसूरी आबिद मंसूरी, अनीस, हारुन, जमील,मोहसिन मंसूरी हाजी मुन्ना, हाजी कल्लन एवं चांद कोंच बाला सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे। और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कमेटी ने सभी उपस्थित अमाम एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम में शांति, एकता एवं भाईचारे का संदेश देने पर जोर दिया।

रेनू को आशीर्वाद एवं उपहार देकर डॉ. संदीप ने निभाया मानव धर्म

झाँसी। संघर्ष सेवा समिति अब तक कई कन्याओं के विवाह आयोजित कर चुकी है और सैकड़ों कन्याओं के विवाह में सामाजिक और आर्थिक रूप से सहयोग भी करती आ रही है। इसी क्रम में उन्नाव गेट अंदर निवासी रेनू को डॉ. संदीप सरावगी ने संघर्ष सेवा समिति परिवार में एक और सदस्य के रूप में सम्मिलित किया। रेनू कपड़े की दुकान पर काम कर अपना भरण पोषण स्वयं कर रही हैं, उनके पिता का पूर्व में ही स्वर्गवास हो चुका है उनकी माँ विमला वर्मा ने अपनी बेटी के होने वाले विवाह में बड़े भाई की तरह डॉ. संदीप सरावगी को आमंत्रित किया। विवाह की पूर्व संध्या पर संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पर रेनू अपने परिजनों के साथ पहुंची जहां उन्हें उपहार के रूप में किचन सेट, साड़ी, सूटकेस व अन्य सामान भेंटकर दांपत्य जीवन में प्रवेश की अग्रिम शुभकामनायें दीं। कार्यालय पर उपस्थित इस्कॉन मंदिर से पधारे महेश्वर चंद्र दास, गोविंद प्रभु, दामोदर बंधु प्रभु ने भी रेनू को आशीर्वाद व उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दीं एवं डॉ. संदीप के कार्यों की भी खुलकर सराहना की। साथ ही जानकारी देते हुए बताया 14, 15 व 16 जुलाई को क्राफ्ट मेला मैदान में भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें जनपद की समस्त जनता को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर रेनू ने कहा संघर्ष सेवा समिति परिवार में जुड़कर घर जैसा माहौल देखने को मिला। संदीप भईया से मिल कर हमें बहुत अच्छा लगा, एक भाई व पिता के रूप में डॉ. संदीप सहयोग के लिये सदैव तत्पर रहते हैं। इस अवसर पर डॉ. संदीप ने कहा रेनू जीवन भर खुश रहें, यही ईश्वर से कामना करते हैं और कभी भी कोई समस्या बहन या बेटी को हुई तो हमारा पूरा संगठन हमेशा उसके साथ है। इस अवसर पर गीता वर्मा, ज्वाला प्रसाद, प्रीतम सिंह प्रेमी, चंदन वर्मा, वर्षा वर्मा, ब्रजकिशोर, कमल मेहता, मास्टर मुन्नालाल, बॉबी, नेहा चाचरा बहल (चाहत कवियत्री), सूरज प्रसाद वर्मा, अरुण पांचाल, राहुल रायकवार, राजू सेन, आशीष विश्वकर्मा, सुशांत गेडा, संदीप नामदेव, महेंद्र रायकवार, बसंत गुप्ता, दीक्षा साहू, राकेश अहिरवार, कमल मेहता आदि उपस्थित रहे।

भंवरपुरा थाना से वाहन चोर भागा, दो दिन बाद मिला

वाहन चोरी के शक में पकड़ाया था, दीवान की झपकी लगते ही भाग गया

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

ग्वालियर के घाटीगांव सर्कल स्थित भंवरपुरा थाना परिसर से एक वाहन चोरी का संदेही भाग गया था। तीन दिन पहले इस संदेही को वाहन चोरी के शक में पुलिस ने पकड़ा था, लेकिन उसे कोर्ट में पेश नहीं किया गया। यह भी सामने आया है कि पूछताछ के दौरान उसने कुछ चोरी के वाहनों से संबंधित अहम सुराग भी दिए थे।

गुरुवार-शुक्रवार दरम्यानी रात करीब 2 बजे, जब थाना के पूछताछ कक्ष की निगरानी कर रहे पुलिसकर्मी को झपकी लगी, उसी दौरान संदेही फरार हो गया। पुलिस ने उसे जंगल से लेकर शहर तक तलाशा, लेकिन वह नहीं मिला। बाद में वह भितरवार में मिला, जहां परिजन उसे खुद थाना पुलिस के पास छोड़ गए।

वाहन चोरी के शक में पकड़ाया था छोटू

तीन दिन पहले भंवरपुरा थाना पुलिस ने वाहन चोरी के संदेह में भंवरपुरा निवासी छोटू आदिवासी को हिरासत में लिया था। पुलिस ने उसे थाना लाने के बाद कोर्ट में पेश नहीं किया और लगातार तीन दिन तक उससे पूछताछ की जा रही थी। इस दौरान उसने कुछ अहम जानकारियां भी दीं, जिससे चोरी के वाहनों के संबंध में सुराग मिले। हालांकि पुलिस ने उसे अभी तक अपनी गिरफ्तारी सूची में दर्ज नहीं किया था।

गुरुवार-शुक्रवार की रात करीब 2 से 3 बजे के बीच, जब पूछताछ कक्ष की निगरानी कर रहे दीवान (हवलदार) रामअवतार सोलंकी को झपकी लगी, तो छोटू आदिवासी मौके से फरार हो गया। सुबह 3 बजे जब दीवान की नींद खुली, तो उसने देखा कि छोटू आदिवासी थाना में मौजूद नहीं है। इसके बाद थाना प्रभारी दीपक भदौरिया को तुरंत सूचना दी गई।

जंगल में तलाश, लेकिन भितरवार में मिला संदेही

छोटू आदिवासी के थाना से लापता होने के बाद शुक्रवार पूरे दिन और शनिवार शाम तक पुलिस और परिजनों ने उसे जंगल में तलाशा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। भंवरपुरा और आसपास का क्षेत्र घने जंगल से घिरा हुआ है, जहां मोबाइल नेटवर्क भी नहीं मिलता। इस घटना से पुलिस की चिंता इसलिए भी बढ़ गई थी, क्योंकि कुछ समय पहले भी जुए के संदेह में एक युवक को बिजौली में पकड़ा गया था, जो बाद में जंगल में भाग गया और उसकी लाश दो दिन बाद जंगल में मिली थी। पुलिस ने परिजनों को आश्वासन दिया था कि वह दो दिन में छोटू को तलाश कर सुरक्षित वापस ले आएगी। इसी दौरान परिजनों को सूचना मिली कि छोटू भितरवार में किसी रिश्तेदार के यहां पहुंच गया है। सूचना मिलने पर परिजन उसे लेकर थाना पहुंचे, जहां पुलिस ने उससे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की।

संपादकीय

पीएम मोदी को 24वां सम्मान

पांच देशों की यात्रा के क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे पहले घाना पहुंचे है। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की वहां यह यात्रा 30 वर्ष बाद है। घाना की सरकार ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान- ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना से विभूषित किया है। सम्मान के बाद घाना की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा- भारत और घाना का रिश्ता सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं है बल्कि यह आपसी विश्वास और साझा मूल्यों की नींव पर टिका है। यह सम्मान भारत की जनता के लिए गर्व का क्षण है। गौरतलब है कि वैश्विक समुदाय द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक लोकप्रियता के कारण वे ग्लोबल लीडर बन चुके हैं। विगत दिनों साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियस तृतीय से सम्मानित किया है। यह प्रधानमंत्री मोदी को 23वां वैश्विक सम्मान था। 140 करोड़ भारतीयों की ओर से सम्मान स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने साइप्रस के राष्ट्रपति, सरकार और लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। विदित है कि इससे पूर्व भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सऊदी अरब द्वारा ऑर्डर ऑफ अब्दुल अजीज अल सऊद नामक सर्वोच्च सम्मान, अफगानिस्तान द्वारा द स्टेट आर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्ला खान सम्मान, फिलिस्तीन द्वारा द ग्रैंड कालर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन अवार्ड, संयुक्त अरब अमीरात द्वारा ऑर्डर ऑफ जायद अवार्ड, रूस द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू अवार्ड, मालदीव द्वारा द ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ निशा, अमेरिका द्वारा उन्हें असाधारण सेवाओं के लिए सैन्य सम्मान लीजन ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया। वर्ष 2023 में फिजी ने प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक नेतृत्व को मान्यता देने हेतु अपने सर्वोच्च सम्मान द कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया तो वहीं इसी वर्ष प्रशांत महासागर के द्वीपीय देशों की एकता की वकालत करने और ग्लोबल साउथ के मुद्दे का नेतृत्व करने के लिए पापुआ न्यू गिनी ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित किया। समुचित विश्लेषण करने पर हम पाते हैं कि विश्व के और भी कई देश उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। इसके मूल में कहीं न कहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यवहार और विचार है। वे छोटे- बड़े विभिन्न मंचों पर न केवल भारत अपितु समूचे विश्व के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हैं। उनकी चर्चा करते हैं और समुचित योजना बनाते हुए सभी को साथ लेकर चलने का आवाहन करते हैं। विगत में संयुक्त राष्ट्र की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर साधारण सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि- भारत ने हमेशा पूरी मानव जाति के हित के बारे में सोचा है... भारत की आवाज हमेशा शांति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए उठेगी। भारत की आवाज हमेशा मानवता, मानव जाति और मानवीय मूल्यों के दुश्मन आतंकवाद, अवैध हथियारों की तस्करी, ड्रग्स, मनी लांड्रिंग के खिलाफ उठेगी... इसी प्रकार उन्होंने 15 अगस्त 2020 के लालकिले की प्राचीर से अपने राष्ट्रीय संबोधन में कहा था कि- भारत का लगातार प्रयास है कि अपने पड़ोसी देशों के साथ हम अपने सदियों पुराने सांस्कृतिक,आर्थिक और सामाजिक रिश्तों को और गहराई दें। शांति और सौहार्द में मानवता का, पूरी दुनिया का हित है। यहां ध्यान रखने की बात यह है कि विश्व के सर्वाधिक राजनीतिक नेतृत्व का अनुभव रखने वाले व्यक्तित्व के द्वारा जब इस प्रकार की बातें कही जाती है तो उनके मूल में सर्वे भवंतु सुखिनः की कामना रहती है। वे विभिन्न मंचों पर वसुधैव कुटुंबकम का उद्घोष करते हैं। विगत वर्षों में कई देशों में प्राकृतिक आपदाएं आई। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वहां तत्काल हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई गई। वैश्विक महामारी कोरोना के समय भी उन्होंने विश्व के अनेक देशों को आवश्यक संसाधन, खाद्यान्न एवं दवाइयां उपलब्ध करवाने में अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने आवाहन किया- जान भी, जहान भी। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर वे अनेक बार यह स्पष्ट कर चुके हैं कि वसुधैव कुटुंबकम हमारे लिए कोई नारा नहीं है अपितु यह हमारा जीवन दर्शन है जिसके तहत हम पूरे विश्व को परिवार मानते हैं। विगत दिनों साइप्रस की अपनी यात्रा में भी उन्होंने अपने संबोधन में यह दोहराया है कि- यह युद्ध का समय नहीं है। उन्होंने ईरान-इजरायल और यूक्रेन-रूस युद्ध के संदर्भ में कहा है कि- इनका असर दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी होने का खतरा है।

कटाक्ष
हसन जैदी

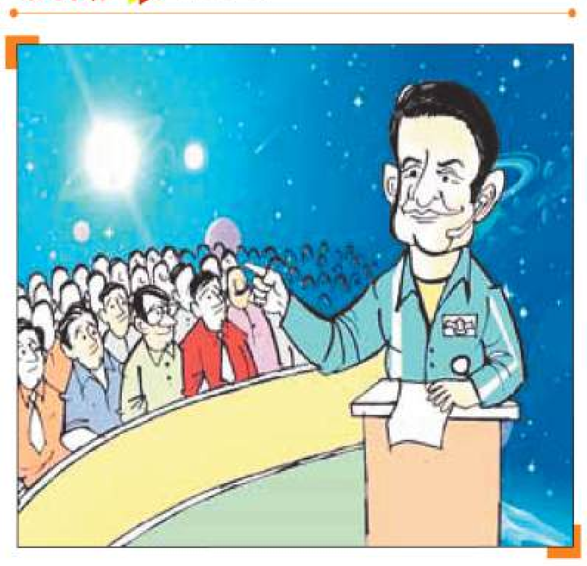

भूजल संकट की गाथा

प्रोफेसर मान सिंह

पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति में ही नहीं जीवन यापन में जल की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। विश्व स्तर पर 2.1 प्रतिशत की दर से बढ़ती जनसंख्या के साथ औद्योगीकरण,तीव्र शहरीकरण और सघन खेतीबाड़ी के कारण दुनिया भर में जल की माँग के साथ - साथ उसकी गिरती गुणवत्ता के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा हो गई हैं और भारत भी इसके चपेट में है। विश्व जल विकास रिपोर्ट (यूनेस्को 2021) के अनुसार पिछले 100 वर्षों में मीठे जल का वैश्विक उपयोग छह गुना बढ़ा है। पिछली शताब्दी के मध्य में भारत में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता जो थी आज उसकी एक तिहाई से भी कम रह गयी है, क्योंकि उस समय की जनसंख्या 35 करोड़ से बढ़कर आज 142 करोड़ हो गई है। विगत 75 से 80 वर्षों में भारत के विभिन्न नदियों के कैचमेंट में सतही जल और भूजल के असंतुलित उपभोग,जल संरक्षण,संभरण एवं संवर्धन के अभाव तथा वानस्पतिक आवरण में कमी के कारण भूजल में सतत गिरावट हुई है।

भारत में 6.6 लाख से अधिक गांव, 4 हजार छोटे -बड़े क़स्बे और शहर हैं। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार भारत में 35 लाख से अधिक तालाब, पोखर और छोटे-मोटे जलाशय हैं। इनमें से लगभग एक तिहाई अपना अस्तित्व खो चुके हैं (बहुत सारे अतिक्रमण का शिकार हो चुके हैं)। वर्तमान के कुल जलाशयों में से कुछ हिस्से सूखे हुए हैं और कुछ गंदे और प्रदूषित पानी को इकट्ठा कर रहे हैं। इन परिस्थितियों से उबरने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए क़दम जैसे अटल भूजल योजना, नमामि गंगे परियोजना, कैच द रेन अभियान, जलशक्ति अभियान, मिशन अमृत सरोवर आदि अति स्वच्छ जल संसाधन को उपलब्धता बढ़ाने में बहुत कारगर साबित हो रहे हैं। इस आलेख में भूजल चर्चा केंद्र में है अतः आवश्यक होगा केंद्रीय भूमि जल बोर्ड के आंकड़ों का उल्लेख करना। बोर्ड द्वारा प्रकाशित गतिशील भूजल संसाधन आकलन रिपोर्ट कहती है कि देश में 447 बिलियन क्यूबिक मीटर (बी.सी.एम) जल का वार्षिक रिचार्ज होता है। उसमें से 408 (बी.सी.एम) भूजल का निष्कर्षण संभव है। उसमें से 246 (बी.सी.एम) का उपभोग सिंचाई,घरेलू खपत और औद्योगिक क्षेत्र में हो रहा है। इन आंकड़ों से यह पता चलता है कि भूजल की स्थिति बहुत गंभीर नहीं है।आगे आंकड़ों का विश्लेषण करके समझने का प्रयास करते हैं कि आखिर पूरे देश में भूजल दोहन, भूजल संकट आदि की गूंज क्यों सुनाई पड़ती है। बोर्ड ने भूजल आकलन हेतु देश के कुल 6746 इकाई निर्धारित किये हैं जिसमें से 4951 सुरक्षित श्रेणी में, 711अर्ध गंभीर, 206 गंभीर, 751 अति दोहित और 127 खारे या लवणयुक्त भूजल की श्रेणी में आते हैं। अत्यधिक भूजल दोहन के दुष्परिणाम को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ जिलों में परिलक्षित है। फलस्वरूप भूजल की उपलब्धता उन प्रक्षेत्रों में बहुत कम हो गई है अतः इन राज्यों में भूजल रिचार्ज को त्वरित करना होगा। भूजल की उपलब्धता को लेकर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, दादरा और नगर हवेली, दमन दीव, चंडीगढ़, पुडुचेरी, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में स्थिति बहुत चिंताजनक है। अन्य सभी राज्यों की स्थिति बिलकुल गंभीर नहीं है। यह सर्वविदित है कि भूगर्भ का जलाशय सतही जलाशयों से बहुत अधिक है और जल के दोनों प्राकृतिक संसाधन अर्थात सतही जल और भूजल आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। अतः दोनों ही प्रकार के जल संसाधनों को एक मानकर ही जल संकट का हल भारत सरकार जल शक्ति अभियान, अटल भूजल योजना, मिशन अमृत सरोवर और 'कैच द रेन' अभियान आदि के माध्यम से खोज रही है और उस के सकारात्मक परिणाम भारत की भूमि पर मिल रहे हैं। प्रायः ऐसा देखा जाता है कि वर्षा ऋतु के बाद भूजल स्तर छोटी -छोटी नदियों या सहायक नदियों के तल से नीचे चले जाने से बेस फ्लो लगभग शून्य हो जाता है।तदनुसार सहायक नदियों का योगदान उत्तरोत्तर नगण्य होने से प्रमुख नदियों में प्रवाह की मात्रा ही नहीं घटी है अपितु जल प्रवाह का कालखंड भी सीमित हो गया है।परिणाम स्वरूप उन राज्यों में जहाँ भूजल का अत्यधिक दोहन कई दशकों से निरंतर हो रहा है उन राज्यों की छोटी मोटी नदियाँ वर्षा काल के 2-3 माह पश्चात ही सूख जाती हैं। भूजल की चर्चा में नदियों के विज्ञान को समझना होगा कि नदियों में होने वाला प्रवाह भूजल के रिचार्ज और डिस्चार्ज के संतुलन को परिभाषित करता है। भूजल की गाथा को सार्थकता प्रदान करने हेतु सुधी पाठकों के लाभ के लिए एक लघुकथा का ज़िक्र आवश्यक हो जाता है।भारत में भूजल संसाधन के उपभोग के लिए, 1930 के आस पास पहला ट्यूबवेल लगा। तात्पर्य यह कि वर्तमान से सौ वर्ष पूर्व भूजल का उपयोग साधारण कूप, टैंक, तालाब, पोखर और जल प्रपात आदि से ही होता था। उस समय धरती के जलभृत भरे रहते थे, भूमि में जल का स्तर सभी स्थानों की नदियों तल से बहुत ऊपर रहते थे। कहीं भी कुंआ खोदने पर भूजल सतह के कुछ ही मीटर नीचे उपलब्ध होता था। भूदृश्य पर सभी नदी तंत्र सजीव और प्रवाह युक्त रहती थी यही कारण रहा कि सभी नगरों की बसावट उन नदियों किनारे या उसके समीप था। यह घटना अतीत की थी। अब वही नगर - शहर अपना मल - जल नदियों में डाल कर सभी नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। इससे निजात पाने के लिए नमामि गंगे के माध्यम से प्रयासरत रहा है। हम सभी ने मल-जल प्रदूषण की विवादास्पद चर्चा महाकुंभ में सुनी। विगत 100 वर्षों में, वैध और अवैध नलकूपों की संख्या अनियंत्रित रही, बेहिसाब मुफ्त बिजली संचालित भूजल दोहन हुआ, रिचार्ज और डिस्चार्ज का संतुलन स्थापित हुआ। परिणाम स्वरुप सभी प्रमुख नदियों में प्रवाह की भारी कमी देखी गई। कई नदियाँ विलुप्त हुई हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान पर जल शक्ति मंत्रालय ने भूजल संवर्धन और नदियों में जल प्रवाह बढ़ाने हेतु विभिन्न उत्सवों और कार्यक्रमों के माध्यम से जन चेतना जाग्रत करने का कार्य 2019 से आरंभ किया गया। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कई प्रक्षेत्रों में तालाब जियाओ अभियान से भूजल स्तर में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। इसका ज्वलंत उदाहरण गुजरात मॉडल है। राष्ट्रीय स्तर और विभिन्न राज्य स्तरों पर भूजल संसाधन उपयोग हेतु सरल नियमावली अथवा दिशा निर्देश बने जो किसी क़ानून के तहत हो। भूजल संवर्धन का क्रियान्वयन अगले 50 वर्षों तक सतत जारी रखना होगा तभी भूजल संकट ही नहीं अपितु होने वाले जलवायु परिवर्तन से उपजे संभावित बड़े पैमाने पर पानी के चाहत में नागरिकों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर भारी संख्या में पलायन को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

अपनी राय हमें इस मेल पर भेजें- vishwavarta.response@gmail.com

अखिलेश की बदलती राजनीति, सावन में काशी से हिंदुत्व का दांव

संजय सक्सेना

2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव हर हाल में सत्ता में वापसी की जुगत में जुटे हैं। उत्तर प्रदेश की सियासत में सपा का आधार लंबे समय तक मुलायम सिंह यादव द्वारा स्थापित मुस्लिम-यादव (एम-वाई) समीकरण रहा है। इस समीकरण के सहारे मुलायम सिंह तीन बार और अखिलेश यादव एक बार मुख्यमंत्री बनने में सफल रहे। लेकिन 2014 के बाद से उत्तर प्रदेश की राजनीति में आए बदलाव ने सपा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने हिंदुत्व की छतरी तले विभिन्न हिंदू जातियों को एकजुट करने में सफलता हासिल की है, जिसने सपा की परंपरागत रणनीति को कमजोर कर दिया है। अखिलेश यादव अब इस बदले सियासी परिदृश्य में अपनी पार्टी की छवि को नया रूप देने और व्यापक सामाजिक समर्थन हासिल करने की कोशिश में हैं। इसी कड़ी में सावन के पहले सोमवार, 14 जुलाई 2025 को, वे काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे हैं, जिसे सियासी हलकों में सॉफ्ट हिंदुत्व के दांव के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में सपा की राजनीति का आधार लंबे समय तक मुस्लिम और यादव वोटर रहे हैं। लेकिन बीजेपी ने सपा पर यादववाद और मुस्लिम तुष्टिकरण की छवि गढ़ने में सफलता हासिल की है, जिससे सपा का वोट आधार सीमित होता गया। अखिलेश यादव को इस बात का अहसास हो चुका है कि केवल एम-वाई समीकरण के सहारे बीजेपी को हराना अब संभव नहीं है। यही वजह है कि वे अपनी पार्टी की छवि को बदलने और व्यापक सामाजिक समर्थन हासिल करने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के जरिए बीजेपी को कड़ी टक्कर दी थी। इस रणनीति ने सपा को कुछ हद तक सफलता दिलाई, लेकिन बीजेपी ने इसके बाद फिर से सपा के खिलाफ सियासी तानाबाना बुनना शुरू कर दिया है। ऐसे में अखिलेश अब सॉफ्ट हिंदुत्व के रास्ते पर चलते हुए सनातन धर्म के प्रतीकों को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। सावन का महीना, जो 11 जुलाई 2025 से शुरू हो रहा है, धार्मिक दृष्टिकोण से उत्तर भारत में खास महत्व रखता है। इस दौरान लाखों भक्त हरिद्वार से गंगा जल लेकर कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं और भगवान शिव के मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं। काशी, जो भगवान शिव की नगरी के रूप में जानी जाती है, सावन में भक्तों के लिए एक प्रमुख तीर्थस्थल बन जाती है। खासकर सावन के सोमवार को बाबा विश्वनाथ मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है। इस बार सावन के पहले सोमवार को अखिलेश यादव काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे हैं। उनके साथ देशभर से लगभग 50 हजार यादव बंधु भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यह आयोजन चंद्रवंशी गोप समिति के बैनर तले हो रहा है, जिसके प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में लखनऊ में अखिलेश से मुलाकात कर उन्हें इस धार्मिक आयोजन में शामिल होने का न्योता दिया था। काशी में सावन के पहले सोमवार को यादव समुदाय की ओर से जलाभिषेक की परंपरा 1952 से चली आ रही है। इसकी शुरुआत स्व. तेजू सरदार ने की थी। हर साल यादव बंधु गौरी केदारेश्वर, तिलभांडेश्वर, और फिर दशाश्वमेध घाट से गंगा जल लेकर बाबा विश्वनाथ को अर्पित करते हैं। इसके बाद मृत्युंजय महादेव, त्रिलोचन महादेव और काल भैरव के दर्शन कर यह यात्रा पूरी होती है। इस बार अखिलेश यादव के इस आयोजन में शामिल होने को सियासी हलकों में व्यापक रूप से चर्चा का विषय माना जा रहा है। यह कदम न केवल उनकी धार्मिक आस्था को दर्शाता है, बल्कि सपा की छवि को मुस्लिम परस्ती से बाहर निकालने और सनातन धर्म के अनुयायियों के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा भी है। अखिलेश यादव की यह रणनीति उनकी पार्टी को मुलायम सिंह यादव के दौर की छवि से बाहर निकालने की कोशिश का हिस्सा है। मुलायम सिंह ने सपा की नींव मुस्लिम और यादव वोटों के आधार पर रखी थी, लेकिन बदले सियासी हालात में यह समीकरण अब पर्याप्त नहीं है। बीजेपी ने हिंदुत्व के एजेंडे को केंद्र में रखकर विभिन्न हिंदू जातियों को एकजुट करने में सफलता हासिल की है। सपा पर लगातार यादववाद और मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोपों ने अखिलेश के लिए सत्ता में वापसी की राह को और मुश्किल बना दिया है। खासकर, ब्राह्मण और ठाकुर समुदायों के बीच सपा के प्रति नाराजगी बढ़ी है, क्योंकि अखिलेश के कुछ बयानों को इन समुदायों के खिलाफ माना गया है। ऐसे में, काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक का यह कदम सनातन धर्म को मानने वाले व्यापक समुदाय के बीच सपा की स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में एक प्रयास है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2014 के बाद से देश की सियासत में हिंदुत्व का प्रभाव बढ़ा है। बीजेपी ने हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने में सफलता हासिल की है, जिसने विपक्षी दलों को भी धार्मिक प्रतीकों और सॉफ्ट हिंदुत्व की राजनीति अपनाने के लिए मजबूर कर दिया है। अखिलेश यादव का काशी दौरा इसी बदलते सियासी परिदृश्य का हिस्सा है। वे न केवल अपने परंपरागत यादव वोट बैंक को मजबूत करना चाहते हैं, बल्कि अन्य हिंदू समुदायों, खासकर सनातन धर्म को एकजुट देखने वालों का समर्थन भी हासिल करना चाहते हैं। हालांकि, बीजेपी की पिच पर उतरकर मुकाबला करना सपा के लिए आसान नहीं है। बीजेपी ने हिंदू समुदाय को अपना मजबूत वोट बैंक बना लिया है, और सपा का सॉफ्ट हिंदुत्व का दांव कितना कारगर होगा, यह आने वाला समय ही बताएगा। इसके साथ ही, अखिलेश यादव सामाजिक न्याय के एजेंडे को भी मजबूत करने की कोशिश में हैं। मुस्लिम समुदाय से जुड़े मुद्दों पर मुखर होने के बजाय, वे अब सामाजिक समावेशिता और पीडीए फॉर्मूले पर जोर दे रहे हैं। काशी में जलाभिषेक का यह कदम न केवल धार्मिक, बल्कि सियासी दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। यह सपा को बीजेपी के हिंदुत्व के नैरेटिव का जवाब देने और व्यापक हिंदू समुदाय के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का मौका देता है। हालांकि, इस रणनीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अखिलेश यादव कितनी कुशलता से अपनी पार्टी की पुरानी छवि को बदल पाते हैं और बीजेपी के सियासी ताने-बाने का जवाब दे पाते हैं। कुल मिलाकर, अखिलेश यादव का सावन के पहले सोमवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करना एक सोची-समझी सियासी रणनीति का हिस्सा है। यह कदम उनकी बदलती राजनीति को दर्शाता है, जहां वे परंपरागत एम-वाई समीकरण से आगे बढ़कर सनातन धर्म के प्रतीकों को अपनाने और व्यापक सामाजिक समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यह रणनीति कितनी कारगर होगी, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इतना तय है कि अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की सियासत में नए रंग भरने की कोशिश में जुटे हैं।

कविता

संजीव ठाकुर

चमकेगा जिंदगी का नया सवेरा

महकती हवाओं,फिजाओं का बसेरा,
जन्म लेगा अब नए चाहतों का सवेरा।

पल के अंधेरों में छुपता नहीं सूरज,
रवि फिर चमकेगा सजेगा नया सवेरा।

चिड़ियों का होगा मीठा कलरव,
चमकेगा जिंदगी का नया बसेरा।

तमस नहीं नियति की अंतिम परिणति
अब नन्हों के हाथों चमकेगा नया
सवेरा।

महकेंगे बाग,उपवन और कलियां,
भँवरो से गूंजेगा नव-यौवन का बसेरा,

एक कमल खिला गई लाखों-लाखों कमल

डॉ. पूजा श्रीवास्तव

भारतीय संस्कृति को पूरे विश्व में सबसे महान एवं विश्व की सभ्यता में सबसे पुरानी संस्कृति मानी जाती है भारतीय संस्कारों की वैज्ञानिकता पर तो आज अमेरिका सहित अन्य कई विकसित देशों को आश्चर्य हो रहा है की किस प्रकार आज से कई हजारों साल पहले भारत में सभ्यता इतनी विकसित अवस्था में रही थी भारतीय संस्कारों के विभिन्न आयाम खरे उतर रहे हैं भारतीय परंपराओं के अनुसार भारतीय समाज में मातृशक्ति को सदैव ही उच्च स्थान दिया गया है हम भारतीय तो मातृशक्ति को देवी माता के रूप में ही देखते हैं और भारतीय समाज के उत्थान में मातृ शक्ति का योगदान सदैव ही उच्च स्तर का रहा है चाहे वह मातृत्व की दृष्टि से राष्ट्र माता जीजाबाई का हो चाहे वे नेतृत्व की दृष्टि से रानी लक्ष्मीबाई का हो और चाहे वह क कृतत्व की दृष्टि से देवी अहिल्याबाई होल्कर का हो वैसे भी भारतीय समाज में माता को प्रथम गुरु के रूप में देखा जाता है जो हमें न केवल इस धरा पर लाती है बल्कि हमारे जीवन के शुरुआती दौर में हमें अपने धार्मिक संस्कारों परंपराओं सामाजिक नियमों आदि से परिचित करवाती है। लक्ष्मी बाई का जन्म नागपुर के महल जिले में वर्ष 1905 में हुआ था उसका नाम कमल रखा गया था जिसका अर्थ है कमल उनके माता-पिता भास्कर राव दाते , एक सरकारी कर्मचारी और यशोदा बाई एक ग्रहणी थी ब्रिटिश शासन के उन दिनों में , लोकमान्य तिलक द्वारा संपादित,' केसरी ' जैसे समाचार पत्रों को खरीदना और पढ़ना देशद्रोह माना जाता था अगर कोई सरकारी कर्मचारी हो लेकिन उनकी मां अखबार खरीदती थी और सभी महिलाओं को एक साथ पढ़ने के लिए बुलाती थी इस प्रकार लक्ष्मीबाई का मातृभूमि के प्रति गहरा प्रेम संगठन क्षमता , निडरता और निडर भावना उन्हें अपने माता-पिता से मिली एक बच्चे के रूप में हिंदू किंवदंतियायो के गीतों , परंपराओं और कहानियों ने उनके युवा मन पर एक अमिट छाप छोड़ी और उन्हें मंदिर जाना बहुत पसंद था । वह छोटी उम्र में भी बहादुर और स्पष्ट वादी थी उन्होंने खेलों को छोटे-मोटे विवादों से दूर रखकर नेतृत्व के गुणों का प्रदर्शन किया और अपने दोस्तों को बिना किसी पूर्वाग्रह के निष्पक्ष खेलने का निर्देश दिया अपनी मां को अन्य लड़कियों और महिलाओं के साथ प्रतिदिन ' केसरी ' पढ़ते हुए सुनकर कमल के मन में धीरे-धीरे देशभक्ति और ब्रिटिश शासन के प्रति आक्रोश की भावना बढ़ने लगी। राष्ट्रीय सेवा का समिति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को संगठित करना उनका शारीरिक बौद्धिक और नैतिक विकास करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना समिति महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए काम करती है समिति का उद्देश्य महिलाओं में राष्ट्रीयता देशभक्ति और संस्कृति के प्रति गर्भ की भावना जागृत करना है समिति स्वस्थ शिवर शिक्षा और अन्य सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज की सेवा करती है समिति पारिवारिक मूल्यों को महत्व देती है और महिलाओं को परिवार और समाज के लिए प्रेरणादायक शक्ति बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है समिति भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने और उनका संरक्षण करने का प्रयास करती है समिति महिलाओं को संगठित करके उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का विकास करती है जिससे वह सामूहिक रूप से समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान कर सके यदि संक्षेप में कहा जाए तो राष्ट्रीय सेवा का समिति महिलाओं को संगठित करके उन्हें सशक्त बनाकर और उनमे राष्ट्रीयता की भावना जागृत करके राष्ट्रीय निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करती है। प्रारंभिक संघर्ष में गौ रक्षा अभियान और प्लेग नियंत्रण। जब गायों को वध से बचने के लिए अभियान चलाया गया तो युवा कमल मंदिर के पुजारी और दाई (नानी) के साथ इस पवित्र धर्म युद्ध में शामिल हुई इस अभियान ने उन्हें बोलने की शक्ति , विनम्रता का मूल्य और अच्छे उद्देश्य की सेवा करते समय अपमान और नकारात्मकता को सहन करने की क्षमता सिखाई प्लेग के प्रकोप के समय उन्होंने जाति और धर्म के बावजूद बीमार और जरूरतमंदों की सेवा करने में अपने माता-पिता और दाई की मदद की । उनके पिता बहुत मददगार थे और उन्होंने प्लेग के उन पीडितो का अंतिम संस्कार भी किया जिन्हें दूसरों ने छूने से मना कर दिया था इन सभी अनुभवों ने उन्हें आज धीरज और धैर्य की मूल सिखाएं। वर्धा - गतिविधि का केंद्र लोकमान्य तिलक के दुखद निधन के बाद महात्मा गांधी ने साबरमती छोड़ दी और वर्धा को अपना आश्रम चुना । वर्धा में सेवाग्राम राजनीतिक गतिविधियों से गुलजार हो गया क्योंकि देशभर से स्वतंत्रता सेनानी वहां आने लगे लक्ष्मी बाई की देशभक्ति की भावनाएं प्रज्वलित हुई और उन्होंने अपनी भभियों को स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया उन्होंने इस महान कार्य के लिए अपने आभूषण भी दान कर दिए दुर्भाग्य से उनके पति को तपेदिक हो गया और जो उन दोनों एक भयानक और लाई इलाज बीमारी थी और सभी प्रयासों और प्रार्थनाओं के बावजूद वह 27 साल की उम्र में उन्हें विधवा बनाकर चले गए उनकी बड़ी बेटी भी इसी बीमारी से मर गई। सक्रिय सामाजिक राजनीतिक जीवन की शुरुआत। लक्ष्मी बाई को एहसास हुआ कि वर्धा में लड़कियों के लिए कोई स्कूल नहीं था जहां वे अपनी बेटी को दाखिला दिला सके इसलिए उन्होंने लड़कियों के ' स्कूल की नींव ' रखने में पहला कदम उठाया और इस तरह वर्धा में महिला साक्षरता का मार्ग प्रशस्त किया उन्होंने देखभाल करने वाले और समर्पित शिक्षकों की तलाश की और उन्हें अपने घर में रहने की जगह दी और उन्हें अपने परिवार के सदस्यों की तरह माना उन्होंने लड़कियों को साइकिल चलाना और तेराकी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया उन्होंने सेवाग्राम में कटाई कार्यक्रमों प्रभात फेरी , शाम की प्रार्थना सभाओं और प्रश्न उत्तर सत्र में भाग लिया। उन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की दुर्दशा देखी और उनके लिए समाधान तलाशना शुरू किया इस बीच उनके बेटे आरएसएस में शामिल हो गए जहां उन्होंने शारीरिक और मानसिक अनुशासन युद्ध कला आदि सिखाई गई उन में बदलाव और अनुशासन देखकर लक्ष्मीबाई ने फैसला किया कि महिलाओं के लिए एक समान संस्थान उनकी समस्याओं का समाधान है उन्होंने आरएसएस के

संस्थापक डॉक्टर के बी हेडगियर से मिलने का फैसला किया डॉक्टर हेडगेवार उनकी शांत शक्ति और दर्शन से प्रभावित हुए स्वामी विवेकानंद जैसे महान नेताओं के अवधारणा के साथ उन्होंने उन्हें महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता के बारे में समझाने की कोशिश की डॉक्टर हेडगेवार ने उनसे पूछा कि क्या वह महिलाओं का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं और इस तरह राष्ट्रीय सेविका समिति का गठन किया गया। रूढ़िग्रस्त समाज विरोध लक्ष्मी बाई केलकर ने रूढ़िग्रस्त समाज से जमकर टक्कर ली उन्होंने अपने घर में हरिजन काम करने वाले रखें महात्मा गांधी की प्रेरणा से उन्होंने घर में चरखा मंगवाया एक बार जब महात्मा गांधी ने एक सभा में दान करने की अपील की तो लक्ष्मीबाई केलकर ने अपनी सोने की जंजीर ही दान में दे दी थी। आत्मविश्वास का बीजारोपण और कर्तव्य पथ पर अग्रसर । लक्ष्मी बाई ने महसूस किया कि महिलाओं की बेहतरी की दिशा में पहला कदम महिलाओं को भारत के गौरवशाली अतीत और राष्ट्रवादी मूल्य के प्रति गर्व के बारे में प्रेषित करना था क्योंकि विदेशी दासता के तहत महिलाओं में आत्मविश्वास की कमी थी और उन्हें लगता था कि उनके मूल्य और आदर्श पश्चिमी विचारधाराओं से कमतर है वह अपने समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ घर-घर गई और उन्हें बाहर निकाल कर राष्ट्रीय सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया विजयादशमी के दिन , राष्ट्रीय सेविका समिति का औपचारिक उद्घाटन किया गया उनके उत्साह से प्रेरित होकर महिलाओं में नए साहस और आत्मविश्वास के साथ खुद को नामांकित करना शुरू कर दिया सभी सेविकाएं उन्हें ' वंदनीया मौसी जी ' के रूप में संबोधित करने लगी और वह लाखों सेविकाओं के लिए एक आदर्श विश्वास पात्र और मार्गदर्शक बन गई उन्होंने शारीरिक और बाहरी व्यायाम से खुद को मजबूत करना शुरू कर दिया उन्होंने विभिन्न स्थानों पर नए केंद्र या शाखाएं खोली और नए लोगों को प्रेरित करने और शामिल करने के लिए शिविर आयोजित किया । धर्म-कर्म और कर्तव्य की गहरी भावना यह पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों के बीच अद्वितीय संतुलन रखने वाली महिला थी कई बार उन्हें घर पर रहना पड़ता था खास करके बच्चों की बीमारी के दौरान जबकि वे अपने सामाजिक कार्यों को भी जारी रखती थी घर और सामाजिक जीवन को एक दूसरे से प्रभावित किए बिना संभालने का उनमें असाधारण कौशल था शुरू में वह महिलाओं को प्रेरित करती थी और प्रशिक्षण शिविर लगती थी शिवर सफलतापूर्वक लगने के बाद उन्होंने दूसरे चरण की नींव रखी जिसमें नर्सरी स्कूल और लघु उद्योग स्थापित करने के प्रस्ताव थे। दुर्भाग्य से भारत का विभाजन हो गया और उन्हें अपना ध्यान अधिक महत्वपूर्ण मामलों की ओर लगाना पड़ा उन्होंने हिंदुओं को नैतिक आध्यात्मिक और शारीरिक सहायता देने के लिए सिंध तक की यात्रा की कराची में उन्होंने सांप्रदायिक घृणा और हिंसा को प्रत्यक्ष रूप से देखा उन्होंने वहां की सेविकाओं को एकजुट और शांत रहने के लिए प्रेरित किया और मुंबई में उनका सुरक्षित आवास और भोजन की व्यवस्था की। रामायण एवं गीता से धर्म एवं कर्म के रास्ते पर चलना सीखा ऐसा कहां जाता है कि इस दौरान उन्होंने एक स्वप्न आया जिसमें एक पवित्र ऋषि ने उन्हें रामायण दी और शांति और सद्भाव के लिए काम करने का आग्रह किया यह उत्साह की भावना के साथ झांकी और रामायण के प्रवचनों के साथ समिति को एक नई दिशा देने का फैसला किया उनके भाविक और हृदय स्पर्शी प्रवचनों को सुनकर लोग उनके बड़े प्रशंसक बन गए उन्होंने इस मिशन पर कई राज्यों की यात्रा की वह एक प्रखर वक्ता थी और श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर देती थी उन्होंने केवल भगवान राम के राज्याभिषेक तक ही कथा सुनाएं क्योंकि वह एक योग प्रशासक और शासक के रूप में उनके गुणो पर जोर देना चाहती थी जिनके कर्तव्य और त्याग के आदर्शों को आम जनता अपने दैनिक जीवन में अपना शक्ति है उनके प्रवचन राज्याभिषेक समारोह के साथ समाप्त होते थे उन्होंने महिलाओं को सीता का अनुकरण करने और साहस शक्ति पवित्रता और निर्भयता के साथ परिवार समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने के लिए प्रेरित किया। योग साधना एवं चिकित्सा स्वास्थ्य के कार्य । मौसी ने विभिन्न स्वास्थ्य चिकित्सा और डॉक्टर से परामर्श किया और महिलाओं की जरूरत के हिसाब से फिटनेस कार्यक्रम को फिर से डिजाइन किया योगासन सूर्य नमस्कार को शामिल किया गया और इतिहास की महान महिलाओं की प्रेरक कहानियां को संकलित किया गया और प्रार्थना सभाओं के दौरान सुनाया गया महिलाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के विशेषज्ञ मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के लिए उन्होंने सेवाओं को संबोधित करने के लिए कई प्रतिष्ठित हस्तियों और डॉक्टर को आमंत्रित किया उन्होंने मराठी में ' सेविका ' नामक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया जो अब कई भाषाओं में ' राष्ट्र सेविका ' के रूप में प्रकाशित होती है उन्होंने महिलाओं की प्राकृतिक प्रतिभा को विकसित करने के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम और अल्पकालिक पाठ कर्मों के साथ ग्रहणी विद्यालय की स्थापना की और भारत की गौरवशाली संस्कृति के आधार पर महिलाओं की शिक्षा को पूर्ण संगठित करने के लिए 'भारतीय श्री विद्या निकेतन ' की स्थापना की उन्होंने 8 भुजाओं वाली देवी शक्ति की पूजा की प्रथा शुरू की जिनमें से प्रत्येक में क्रमशः कमल ,भागवत गीता, भगवा ध्वज, अग्नि कुंड, घंटी , तलवार और माला थी जो नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है और विभिन्न केंद्रों में उनकी मूर्तियां स्थापित की उन्होंने महिलाओं की संगीत और भक्ति प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए भजन मंडलों का गठन किया और उन्हें रानी लक्ष्मीबाई और जिजामाता जैसी महान महिलाओं की उपलब्धियां को काव्यात्मक रूप में रचने के लिए प्रेरित किया उन्होंने शिवाजी के संघर्ष स्वामी विवेकानंद को अपने चित्रों के माध्यम से सामाजिक पुनर्जागरण और जनता के उत्थान में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया उन्होंने महान महिला नेताओं की शताब्दी मनाई और हर बैठक में वंदे मातरम गाकर मातृभूमि का सम्मान करने की परंपरा शुरू की उन्होंने नागपुर में देवी अहिल्याबाई मंदिर, वर्धा में अष्टभुजा मंदिर और कई अन्य मंदिरों का निर्माण कराया।

एक नजर

पिता ने डांटा तो बेटे ने फांसी लगा की खुदकुशी

बांदा। खाना बनाने को लेकर भाई बहन के बीच हुए विवाद पर पिता ने पुत्र को डांट दिया। नाराज पुत्र ने घर से दूर खेत पर लगे पेड़ पर टी शर्ट से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गिरंवा थाना क्षेत्र के पतौरा गांव निवासी अर्जुन (19) पुत्र लोटन गुरूवार की शाम नाराज होकर घर से निकल गया। घर से एक किमी दूर खेत में लगे महुआ के पेड़ पर अपनी ही टी-शर्ट से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। खेत से घर लौट रही गांव की एक महिला ने देखा तो उसे पहचान लिया। आत्महत्या की खबर मिलते ही घरवालों में कोहराम मच गया। मृतक के चचेरे भाई कमलेश ने बताया कि अर्जुन दोपहर को खेत से ट्रैक्टर में लकड़ी लाद कर घर आया था। बहन नर्वदा ने खाना नहीं बनाया। इस पर दोनो के बीच विवाद हो गया। पिता ने पुत्र को फटकार लगाई। नाराज होकर उसने फांसी लगाकर जान दे दी।

युवक ने फांसी लगा कर जान दी

बांदा। बिसंडा थाना क्षेत्र के कोरारी गांव निवासी धीरज पटेल (30) पुत्र शिवपूजन ने गुरूवार की शाम कमरे के अंदर पंखे की हुक पर मफलर से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। कुछ देर कमरे आए पिता ने उसका शव फंदे पर लटकता देखा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता ने बताया कि धीरज इकलौता पुत्र था। उसकी पत्नी चार माह से सूरत में है। वह गांव नहीं आ रही। इसी से वह परेशान रहता था। इसी के चलते उसने फांसी लगा कर खुदकुशी कर लिया।

फोटो नंबर-06-आजाद नगर में निरीक्षण करतीं डीएम।

जल निकासी समस्या का संज्ञान लेकर डीएम ने किया निरीक्षण

बांदा। जिलाधिकारी ने जल निकासी समस्या का संज्ञान लेते हुए मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। रेलवे व नगर पालिका अधिकारियों को शीघ्रता से कार्रवाई करते हुए लोगों को जल निकासी की समस्या से राहत दिलाने के निर्देश दिए। डीएम जे.रिभा ने शुक्रवार को शहर के आजाद नगर (लोहिया पुल) में रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य के चलते उत्पन्न हुई जल निकासी की समस्या का गंभीरता से संज्ञान लिया। अपरर जिलाधिकारी राजेश कुमार के साथ स्वयं मौके पर पहुंचकर उन्होंने स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने तत्काल जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका परिषद ईओ और रेलवे के अवर अभियंता को निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्रता से कार्रवाई करते हुए राहत प्रदान करने को कहा। लोगों का कहना है कि डीएम यह सक्रिय दृष्टिकोण स्थानीय निवासियों के लिए राहतकारी साबित होगा। भविष्य में जलभराव जैसी समस्याओं से बचाव सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस मौके पर नगर पालिका परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि अंकित बासू, सुरेश गुप्ता कान्हा समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल की टक्कर से किसान की मौत

प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र के जमुआ सभेती गांव में शुक्रवार को मोटरसाइकिल की टक्कर से किसान की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि मेजा थाने को सूचना मिली कि जमुआ समेत गांव निवासी बेचन लाल यादव (72) पुत्र स्वर्गीय सीताराम यादव की घर समीप मोटरसाइकिल की टक्कर से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ज्ञानवापी वजूखाने सर्वे मामले की छह अगस्त को होगी सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर में शिवलिंग आकृति के अलावा वजूखाने का एएसआई से सर्वेक्षण की मांग में दाखिल याचिका पर सुनवाई के लिए छह अगस्त की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने उपासना स्थल कानून को लेकर दाखिल याचिका की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई लंबित रहने के कारण दिया है। शुक्रवार को राखी सिंह के अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने कोर्ट को बताया कि उपासना स्थल कानून की वैधता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में लंबित सुनवाई पूरी नहीं हुई है। अंतरिम आदेश प्रभावी है जिससे किसी प्रकार के सर्वे आदेश पर रोक लगी है। इस पर हाईकोर्ट ने सुनवाई टाल दी। गौरतलब है कि श्रृंगार गौरी केस की पक्षकार राखी सिंह की सिविल पुनरीक्षण याचिका के साथ संबद्ध 1991 के स्वयंभू लार्ड आदि विशेश्वर वाद में अतिरिक्त वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका में हाईकोर्ट ने विपक्षी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद एवं सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड से जबाब मांगा था। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश से न्यायालयों को सर्वेक्षण के आदेश सहित कोई भी प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश करने से रोक दिया है।

उत्कृष्ट योगदान पर समाजसेवी भामा शाह पुरस्कार से सम्मानित

बांदा। समाजसेवा में उत्कृष्ट योगदान करने पर नगर पालिका चेयरमैन व मुख्य विकास अधिकारी ने समाजसेवी को भामा शाह पुरस्कार व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने बढ़चढ़कर भागीदारी की। विकास भवन सभागार में भव्य समारोह के बीच शहर के प्रमुख समाजसेवी रामविलास गुप्ता को भामा शाह पुरस्कार से नगर पालिका चेयरमैन मालती गुप्ता बासू और मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडेय ने सम्मानित किया। बताया गया कि यह पुरस्कार समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। समाजसेवी व टीवीएस मोटर आनर्स रामविलास गुप्ता ने अपने जीवन को समाज सेवा के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण में काफी काम किया है। उनके प्रयासों से समाज के विभिन्न वर्गों को लाभ पहुंचा है। लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। पुरस्कार के माध्यम से समाजसेवी को समाजसेवा को विस्तार देने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर संयुक्त आयकर आयुक्त संतोष वर्मा, डीडीओ, पीडी डीआरडीए, गुरुदेव राव, पंकज सिंह, आदितेय मिश्र, जुबैर अहमद, जयप्रकाश, मारुति नंदन, शशि कुमार यादव समेत जिला उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश सर्राफ व अमित सेठ भोलू, मनोज जैन, विष्णु गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

किसान ने लेखपाल को दी 70 हजार की रिश्वत

» चकरोड की पैमाइश के लिए मांगे थे एक लाख, वीडियो वायरल होने पर हुआ निलंबित

उरई जालौन। कोंच तहसील क्षेत्र के नदीगांव इलाके से जुड़ा लेखपाल के रिश्वत लेने का प्रकरण फिर सुर्खियों में है। नदीगांव के रहने वाले किसान लक्ष्मण सिंह यादव ने शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर लेखपाल नरेंद्र झा द्वारा ली गई 70 हजार रुपए की रकम वापस कराए जाने की मांग की। किसान ने डीएम को संबोधित प्रार्थना सिटी मजिस्ट्रेट को सौंप कर न्याय की गुहार लगाई है।

दरअसल, किसान की जमीन तक पहुंचने के लिए आधे रास्ते तक सरकारी चकरोड बना हुआ है, जबकि शेष रास्ते पर कुछ दबंगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। इसको हटवाने और रास्ते की पैमाइश कराने के लिए किसान ने संबंधित लेखपाल नरेंद्र झा से संपर्क किया था। आरोप है कि लेखपाल ने चकरोड की पैमाइश कराने के बदले एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। किसान ने किसी तरह 70 हजार रुपये दे भी दिए, लेकिन शेष 30 हजार देने से इंकार कर दिया।

किसान का कहना है कि जब उसने बाकी रुपए देने से मना कर दिया, तो लेखपाल ने जानबूझकर पैमाइश उसके पक्ष में नहीं की। इससे आहत होकर किसान ने रिश्वत देते समय का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था, वीडियो वायरल होते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया था, जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से लेखपाल नरेंद्र झा को निलंबित कर दिया और मामले की विभागीय जांच भी बैठा दी। अब किसान ने जिलाधिकारी से पुनःअनुरोध किया है कि उसे दी गई 70 हजार की रिश्वत की राशि वापस दिलाई जाए और उसकी भूमि तक जाने के लिए चकरोड की निष्पक्ष पैमाइश कराई जाए।

चोरी के माल के साथ चोर को पुलिस ने दबोचा

अतर्रा। चोरी की घटना के चंद घंटे बाद ही थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सूचना पर शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए चोर के पास से सोने-चांदी के जेवरात समेत नगदी बरामद की।

थाना क्षेत्र के महोतरा गांव के मजरा शक्ति का पुरवा निवासी राम नरेश यादव पुत्र राम किशोर ने दी तहरीर में बताया था कि अज्ञात चोर घर का ताला तोड़कर 70 हजार रुपये नगद समेत सोने-चांदी के जेवरात बटोकर फरार हो गए। थाना पुलिस ने तहरीर के मुताबिक सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद चोरी की तलाश शुरू कर दी। मुखबिर की सूचना पर वरिष्ठ उप निरीक्षक प्रेमपाल सिंह, उप निरीक्षक संतराम सरोज व प्रदीप सोनी और कांस्टेबल विश्वनाथ, शुभम सिंह, पंकज सिंह, कृष्णकांत ने थाना क्षेत्र के सेमरिया कुशल गांव मोड़ के पास से थाना क्षेत्र के पुन्ना का पुरवा निवासी शातिर चोर योगेंद्र उर्फ नरेंद्र वर्मा पुत्र देवनाथ उर्फ भग्गू को गिरफ्तार कर लिया।

कालेज में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, मुकदमा दर्ज

» संगठित गिरोह के सदस्यों ने पीड़ित का दस लाख रुपये किया हजम

प्रयागराज। जार्जटाउन थाने में कालेज में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले गिरोह के नौ सदस्यों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मुकदमा न्यायालय के आदेश पर दर्ज किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। यह जानकारी शुक्रवार को अपर पुलिस उपायुक्त नगर अभिजीत कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि शहर के खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के काला डांडा हिम्मतगंज निवासी कुलदीप कुशवाहा पुत्र एस.एल.कुशवाहा की तहरीर पर 2 जुलाई की रात 8 बजे थरवई थाना क्षेत्र के जैतवारडीह निवासी प्रभात कुमार उर्फ गुरु विश्वरूप पुत्र ओम प्रकाश, इसी गांव के निवासी पुष्पेंद्र, अवकाश,यतीश विश्वकर्मा उर्फ छोटू पुत्र ओम प्रकाश, पुरुषोत्तम लाल, शहर के सिविल लाइन कमला नेहरू रोड निवासी अरविंद कुमार श्रीवास्तव पुत्र हरि मोहन लाल, कर्नलगंज थाना क्षेत्र के सलोरी निवासी कमलेश कुमार विश्वकर्मा, झूंसी के रहिमापुर गांव निवासी सुनील विश्वकर्मा पुत्र हीरालाल, थरवई के जगदीशपुर व जैतवारडीह निवासी ओम प्रकाश विश्वकर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि कालेज में नौकरी दिलाने के लिए गिरोह के सदस्यों ने फर्जी तरीके से परीक्षा दिया और फर्जी नियुक्ति पत्र जारी किया। पीड़ित कहना है कि उससे एक कालेज प्रबंधन से जुड़े लोगों ने दस लाख रूपया हजम कर लिए है।

मोबाइल पर अश्लील फोटो भेजने से युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

बांदा। एटा जिले के लक्ष्मणपुर के नगला दुर्जन गांव निवासी संजू कुमार (23) पुत्र रामविलास डंफर चलाता था। गुरूवार की दोपहर वह कबरई से गिट्टी लेकर जा रहा था। तभी बुदेलखंड एक्सप्रेस वे के महोखर के पास ट्रक किनारे खड़ा करने के बाद शीशम के पेड़ पर गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर बाद आसपास लोगो ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक में लिखे नंबर और चालक के पास मिले मोबाइल फोन के जरिए घरवालों को सूचना दी। सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुंच गए। मृतक के बड़े भाई जसवंत सिंह ने बताया कि संजू के दोस्त ने उसके फोन पर उसका अश्लील फोटो डाल दिया था। जसवंत ने संजू से फोन पर बात करते हुए डांट लगाई।

रेलगांव कॉलोनी सूबेदारगंज में हुआ पौधरोपण

प्रयागराज। रेलगाँव कॉलोनी सूबेदारगंज उत्तर मध्य रेलवे में शुक्रवार को बरसात के मौसम का लाभ उठाने के लिए पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम शिव कुमार, मुख्य पर्यावरण प्रबन्धक के मार्गदर्शन में विभिन्न पर्यवेक्षकों एवं हॉर्टिकल्चर कर्मियों द्वारा किया गया।

उन्होंने कहा कि नये वृक्षों को लगाने का उद्देश्य प्रकृति को हरा भरा करना एवं वातावरण को शुद्ध बनाना है। इस वृक्षारोपण में विभिन्न किस्म के लगभग 50 फलदार पौधों को लगाया गया। जिनमें प्रमुखतः नींबू, करोंदा, आंवला, अनार आदि सम्मिलित थे।

पुरस्कार से व्यक्ति के जीवन में उत्साह एवं गति : विक्रम

» ज्वाला देवी में प्रथम मासिक परीक्षा के मेधावी भैया-बहनों का सम्मान

प्रयागराज। पुरस्कार प्राप्त छात्रों को देखकर यह विचार आता है कि पुरस्कार किसी व्यक्ति के जीवन में उत्साह एवं गति प्रदान करते हैं। यदि इसका प्रारम्भ छात्र जीवन से ही हो जाये तो निश्चित रुप से उसे नित नये कीर्तिमान स्थापित करने से कोई रोक नहीं सकता। इसके लिए सम्बन्धित संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उक्त विचार प्रो. राजेन्द्र सिंह शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित सिविल लाइन स्थित ज्वाला देवी स.वि.इ.का. में शुक्रवार को प्रथम मासिक परीक्षा के मेधावी सम्मान समारोह में प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर कक्षा षष्ठ से द्वादश तक के प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने भैया बहनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संगमनगरी के लिए यह गर्व का विषय है कि विद्या भारती द्वारा संचालित ज्वाला देवी इण्टर कॉलेज निरन्तर ऐसी प्रतिभाओं को तराश रहा है जो अपने भावी जीवन में भारत माता के यश में श्रीवृद्धि करेंगे और समाज को सच्ची दिशा प्रदान करने में अपना अपूर्व योगदान प्रदान करेंगे।

शिशु मन्दिर के प्रधानाचार्य इन्द्रजीत त्रिपाठी ने कहा कि जीवन में सफलता और सार्थकता दो ऐसे पहलू हैं जिन्हें अक्सर एक ही मान लिया जाता है। जबकि वास्तव में इनमें गहरा अंतर होता है। एक सफल जीवन बाहरी उपलब्धियों और भौतिक सुख-सुविधाओं पर केंद्रित हो सकता है, जबकि एक सार्थक जीवन गहरे आंतरिक संतोष, उद्देश्य और दूसरों के जीवन में सकारात्मक योगदान पर आधारित होता है।

दिशा की बैठक में विकास व निर्माण कार्यों को समय के साथ पूरा कराने के निर्देश

जनप्रतिनिधियों ने विभागवार की सरकारी योजनाओं की समीक्षा

» सभी जानकारी जनप्रतिनिधियों को प्राथमिकता से कराएं उपलब्ध

बांदा। जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में विकासात्मक व कल्याणकारी योजनाओं तथा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में चित्रकूटधाम मंडल के सांसदों के साथ विधायकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों व सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने भागीदारी की। बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन के साथ विभागवार विभिन्न योजनाओं व कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते प्रगति जानी गई।

सर्किट हाउस सभागार में शुक्रवार को आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में अध्यक्षता कर रहीं सांसद कृष्णा देवी पटेल ने केन कैनाल की नहर पटरी में निष्प्रयोज्य भूमि एवं अतिक्रमण की रोकथाम, सड़क किनारे की झाड़ियों की कटाई का कार्य, बबेरू रोड की मरम्मत का कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाने के लिए संबंधित विभागों के अभियंताओं को यह निर्देश दिए। सांसद ने जल जीवन मिशन कार्य के अंतर्गत कार्यों की समीक्षा करते हुए टूटी सड़कों की गांव की गलियों में गुणवत्ता के साथ मरम्मत कराए जाने व जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने मुद्रा लोन, मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को ऋण प्रमुखता से दिलाए जाने, कस्बा बबेरू में जर्जर विद्युत पोल बदलने, तिंदवारी एवं सिंधौली गांव में विद्युत आपूर्ति में सुधार के निर्देश दिए। पीएम आवास योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि मंडल मुख्यालय में इस योजना के सर्वे में बेहतर कार्य करते हुए प्रदेश में पांचवें स्थान पर है। सांसद ने ब्लाकों एवं नगर पालिका क्षेत्रों में कूड़े का उचित निस्तारण किए जाने के संबंध में डीपीआरओ व डीडीओ को निर्देश दिए। लघु सिंचाई अभियंता को चेक डेमो के निर्माण की जांच और तालाबों की ड्रेसिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में शेष गांवों में चकबंदी के कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश के साथ आरईएस विभाग को निर्माणाधीन सड़क कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने, ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्य को लक्ष्य के अनुरूप पूर्ण कराने के साथ अन्य योजनाओं को भी प्रमुखता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

नशे में धुत युवक ने बुजुर्ग को लाठी से पीट कर मार डाला

» नरैनी कोतवाली क्षेत्र के पुगरी गांव का मामला

नरैनी। जेल से छूटे युवक ने नशे में जम कर हंगामा मचाया। इसके बाद मवेशी बाड़ा में मौजूद बुजुर्ग की लाठी से पीट पीट कर हत्या कर दी। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाली क्षेत्र के पुगरी गांव निवासी 70 वर्षीय मुन्नीलाल आरख पुत्र स्व रामसनेही अपने पशु बाड़े में शुक्रवार को दोपहर बैठा था। तभी गांव का लवकुश यादव शराब के नशे में गाली गलौज करता हुआ मवेशी बाड़ा पहुच गया। मुन्नीलाल ने गाली गालौज कर विवाद किया। इसी से नाराज युवक ने मुन्नीलाल के ऊपर लाठी से तावड़ तोड़ हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी बीच आरोपी का बड़ा भाई चुन्नू यादव और ग्रामीणो ने देख लिया। उन्होने परिजनो को सूचना दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मौके पर पहुचे घरवालो ने घायल को उठाकर सीएचसी नरैनी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरो ने देखने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक आविवाहित था। वह दो भाइयों में बड़ा था। उसकी देखरेख छोटा भाई अंबिका प्रसाद करता था। मृतक के परिजनो ने बताया कि आरोपी ने राममिलन रजक के साथ मारपीट करने के मामले में एससी एसटी से संबंधित धाराओं में जेल गया था।

किसानों के हित में बड़ी कार्रवाई उरई में 700 बोरी संदिग्ध एनपीके उर्वरक जब्त, दुकान सील

उरई जालौन। जनपद जालौन के उरई स्थिति कुइया रोड, उरई में नकली BIO-NPK उर्वरक की अवैध बिक्री की सूचना पर जिलाधिकारी द्वारा जॉइंट मजिस्ट्रेट सदर और जिला कृषि अधिकारी को तत्काल जाँच कर कार्यवाही के निदेश दिए गए । जिलाधिकारी के निर्देश पर दोनों अधिकारियों द्वारा सघन छापेमारी कर 700 बोरी फर्जी / संदिग्ध उर्वरक बरामद की और दुकान को मौके पर ही सील कर दिया। उप जिलाधिकारी सदर नेहा ब्याडवाल के नेतृत्व में छापे मारी की गई, जिसमें जिला कृषि अधिकारी गौरव यादव, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (ग्रुप-बी) गिरेन्द्र कुमार शर्मा, अमित पिण्डारी, लोकेश दीक्षित, चौकी इंचार्ज मण्डी रणधीर एवं कोतवाली प्रभारी अरुण कुमार राय सहित प्रशासन की संयुक्त टीम शामिल रही।

जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उक्त दुकान में BIO-NPK उर्वरक फर्जी ब्रांड नाम से तथा बिना वैध लाइसेंस के विक्रय किया जा रहा था। यह नकली उर्वरक किसानों की फसलों की उत्पादकता और भूमि की उर्वरता दोनों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता था। उप जिलाधिकारी नेहा ब्याडबाल ने कहा कि कृषि इनपुट की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। जो भी व्यक्ति किसानों की मेहनत, भूमि की उर्वरता और खाद्य सुरक्षा से खिलवाड़ करेगा, उसके विरुद्ध कठोर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। यह पूरी कार्रवाई जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार, जनपद में चलाए जा रहे नकली उर्वरक विरोधी सतत अभियान के अंतर्गत की गई है। प्रशासन द्वारा लगातार सघन निरीक्षण और छापेमारी अभियान चलाए जा रहे हैं, जिससे किसानों के साथ किसी प्रकार की धोखाधड़ी या आर्थिक शोषण रोका जा सके। जिला प्रशासन की सजगता, तत्परता और किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है।

नेत्रहीन मां ने पुत्र व पुत्रवधू पर लगाया जमीन हड़पने व मारपीट कर परेशान करने का आरोप

उरई जालौन। सिरसा दो गढ़ी निवासी राजेश्वरी देवी पत्नी लाखन सिंह भदौरिया व बीच वाला पुत्र अजमेर सिंह के साथ गांव के बाहर बने मकान में रहती है। जिसके तीन पुत्र है जिसमें बड़ा लड़का जन्मेश सिंह व छोटा लड़का निर्मल आए दिन अपनी मां राजेश्वरी देवी व पिता लाखन सिंह भदौरिया व भाई अजमेर सिंह व बहू अर्चना के साथ आए दिन मारपीट करते जब कि मां जन्म से आंखों से अंधी है मा राजेश्वरी देवी के पास 22 बीघा जमीन है जिसमें मां ने सभी लड़कों बराबर का हिस्सा दे दिया।

इसके बाद भी जन्मेश सिंह व निर्मल सिंह आए दिन माता पिता व भाई के साथ मारपीट करते हैं और पैसो व मा के हिस्से की बची हुई जमीन अपने नाम करवाने की बात कहते हैं। इसलिए आए दिन मारपीट करते और मां बाप को खाने पीने को कुछ नहीं देते और माता पिता की मार पीट करते है मा जन्म से आंखों से अंधी है। बड़ा पुत्र जन्मेद सिंह व पुत्रवधू गीता देवी व नाती में लघु पुत्र जन्मेद सिंह, व छोटा पुत्र निर्मल सिंह व बहू मोहिनी एक साथ मिलकर मुझ राजेश्वरी देवी व पति लाखन सिंह व अजमेर सिंह व बहू अर्चना सिंह के साथ आए मारपीट करते और अजमेर से कहते है कि बुड्ढा, बुढ़िया,को खाना पीना देना बंद करो नहीं तो तुम सभी को गोली मार देंगे और तमंचा बंदूक लेकर अपने ससुर जय नारायण सिंह के उकसाने पर हम सब की मारपीट करते और जान से मारने की धमकी देते जिससे राजेश्वरी देवी व पति लाखन सिंह, व बीच वाला पुत्र अजमेर सिंह बहू अर्चना देवी को जान माल का खतरा है जब कि अजमेर सिंह व बहू अर्चना मेरे साथ रहते है और मेरे खाने पीने की व्यवस्था व देखभाल करता हैं जिससे इन दोनों लड़कों व बहुओं को एतराज होता हैं इस लिए बड़ा और छोटा लड़का व बहू हम लोगों के साथ मारपीट करते। जिससे तंगाकर आज हमने एस पी साहब से शिकायत की कार्यालय पहुंचकर और जानमाल की सुरक्षा की मांग की और न्याय की गुहार लगाई। एसपी ने कार्यवाही का आश्वासन दिया।

मुंह व हाथ में काली पट्टी बांधकर जल निगम कर्मियों ने किया मौन प्रदर्शन

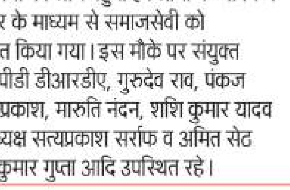

» मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन डीएम को सौंपा

» डीएम कार्यालय में धरना देकर मांगों के समर्थन में बुलंद की आवाज

बांदा। उत्तर प्रदेश जल निगम संघर्ष समिति (लखनऊ) के आह्वान पर नगरीय व ग्रामीण जल निगम अधिकारियों व कर्मचारियों ने मुंह और हाथ में काली पट्टी बांधकर कलक्ट्रेट में धरना देकर मौन प्रदर्शन करते हुए मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। धरना-प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

महासंघ प्रदेश अध्यक्ष एसके सिंह की अगुवाई में शुक्रवार को नगरीय व ग्रामीण जल निगम अधिकारियों व कर्मचारियों ने छह माह से वेतन नहीं मिलने के विरोध में डीएम कार्यालय में मुंह और हाथ पर काली पट्टी बांधकर मौन धरना दिया। बाद में मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इसमें कहा है कि जिले में तमाम अधिकारी, कर्मचारी और सेवानिवृत्त कर्मी हैं। पिछले 6 महीने से कर्मचारियों को पूरा वेतन नहीं मिला है। इस दौरान केवल आधा वेतन मिला है। चतुर्थ श्रेणी और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कर्मचारियों को 14 साल से बोनस भी नहीं मिला है। जबकि प्रदेश सरकार द्वारा अपने कर्मियों को 252 प्रतिशत महंगाई भत्ता व राहत का भुगतान किया जा रहा है। जल निगम नगरीय में 212 प्रतिशत अर्थात 40 प्रतिशत कम दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र के कर्मियों को 246 प्रतिशत महंगाई भत्ता व राहत का भुगतान नियम विरुद्ध तत्काल दिया जा रहा है। नगर विकास के प्रमुख सचिव ने 19 जून को कहा था कि पैसे की कमी नहीं है। भुगतान प्रक्रिया में बदलाव के कारण वेतन में देरी हो रही है। उन्होंने एक सप्ताह में भुगतान का आश्वासन दिया था। लेकिन दो सप्ताह बाद भी स्थिति जस की तस है। ज्ञापन में वेतन और पेंशन का नियमित भुगतान, सातवां वेतनमान लागू करना और महंगाई भत्ते का भुगतान आदि की मांग की गई।

बैठक जन्मदिन पर अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होंगी गोष्ठियां

भाजपा के सभी 16 मंडलों में 6 जुलाई को मनेगा डा. मुखर्जी का जन्मदिन

बांदा। भाजपा 6 जुलाई (रविवार) को जिले के सभी 16 मंडल में जनसंघ संस्थापक डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्मदिन मनाएगी। भाजपा कार्यालय में आयोजित योजना बैठक में सभी मंडलों में संयोजक व मुख्य अतिथि तय किए गए। भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष उत्तम सक्सेना ने बताया कि बांदा नगर दक्षिणी मंडल के भाजपा कार्यालय पीली कोठी में आयोजित संगोष्ठी के लिए राजेश गुप्ता रज्जन संयोजक व जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद मुख्य अतिथि बनाए गए।

इसी प्रकार बांदा नगर उत्तरी मंडल भाजपा जिला कार्यालय कनवारा रोड में राजेश गुप्ता संयोजक व पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल मुख्य अतिथि, बिसंडा मंडल के ब्लाक सभागार में विनय कुशवाहा संयोजक व ब्लाक प्रमुख बड़ोखर स्वर्ण सिंह सोनू मुख्य अतिथि, महुआ मंडल के ब्लाक सभागार में प्रेम स्वरुप द्विवेदी संयोजक व ब्लाक प्रमुख कमासिन रावेंद्र गर्ग मुख्य अतिथि, नरैनी मंडल के ब्लाक सभागार नरैनी में आदित्य चतुर्वेदी संयोजक व जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत मुख्य अतिथि, अतर्रा मंडल के श्रीरामजानकी मंदिर अतर्रा में ज्ञान प्रताप सिंह संयोजक व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष इंद्रपाल सिंह पटेल मुख्य अतिथि, कालिंजर मंडल के गुढ़ा हनुमान मंदिर में ओम प्रकाश राजपूत संयोजक व ब्लाक प्रमुख बबेरू रमाकांत पटेल मुख्य अतिथि, ओरन मंडल के आरके मैरिज हाल ओरन में आशीष अनुरागी संयोजक व पूर्व प्रत्याशी अजय पटेल मुख्य अतिथि बनाए गए। इसी प्रकार तिंदवारी मंडल के श्याम कुंज मैरिज हाल तिंदवारी में अनूप तिवारी संयोजक व विधायक नरैनी ओममणि वर्मा मुख्य अतिथि, पैलानी मंडल के कालेश्वर मंदिर खप्टिहाकलां में धर्मेंद्र गुप्ता संयोजक व ब्लाक प्रमुख नरैनी मुख्य अतिथि, जसपुरा मंडल के ब्लाक सभागार में साहब सिंह संयोजक व पूर्व विधायक नरैनी राजकरण कबीर मुख्य अतिथि, बड़ोखर मंडल के भाजपा जिला कार्यालय कनवारा रोड में श्याम बाबू पाल संयोजक व क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा बाल मुकुंद शुक्ला मुख्य अतिथि, बबेरू मंडल के सिटी पैलेस बबेरू में सौरभ सिंह संयोजक व सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी मुख्य अतिथि, कमासिन मंडल के ब्लाक सभागार में प्रदीप मिश्रा संयोजक व नगर पंचायत अध्यक्ष मर्टौध में सुधीर सिंह मुख्य अतिथि, मर्का मंडल के आरजे मैरिज हाल मरका में दिनेश निषाद संयोजक व पूर्व जिलाध्यक्ष लवलेश सिंह मुख्य अतिथि, पवैया मंडल के मड़ी दाई मैरिज हाल में दीपक सिंह संयोजक व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नरैनी हरिशचंद्र सोनकर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। बैठक में जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत, पूर्व जिला उपाध्यक्ष उत्तम सक्सेना, मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष संतोष नायक, पिछड़ा मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री राजेश सेन, भाजपा नेता अमित सेठ भोलू, जिला कार्यालय प्रभारी दिलीप तिवारी, लखन सिंह राजपूत, अनिल प्रजापति आदि मौजूद रहे।

फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में काम कर रहे चीनी इंजीनियरों को स्वदेश लौटने को कहा

मुंबई

भारत में कारोबार फैलाने की अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल की योजना को करारा झटका लगा है। इसका कारण ये हैं कि फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में आईफोन संयंत्रों में काम करने वाले चीन के इंजीनियरों को स्वदेश लौट जाने के लिए कहा है। फॉक्सकॉन के कदम से 'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती है। एप्पल सितंबर मध्य तक 'आईफोन 17' बाजार में पेश करना चाह रही है।

'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती

सूत्रों का कहना है कि संभवत: चीन सरकार के निर्देश के बाद फॉक्सकॉन ने फैसला लिया होगा। चीन सरकार भारत में 'आईफोन17' जैसे नए फोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली स्मार्टफोन मशीन के आयात की मंजूरी देने में पहले से ही आनाकानी कर रही है। इन दोनों कारणों से भारत में आईफोन बनाने के लिए जरूरी प्रशिक्षण कार्यों पर भी असर हो सकता है। इसके साथ चीन से विनिर्माण तकनीक के हस्तांतरण की प्रक्रिया को भी झटका लगेगा है और उत्पादन लागत बढ़ जाएगी। दिलचस्प बात है कि फॉक्सकॉन ने 15 जुलाई तक भारत में 1,000 नए कर्मचारियों की भर्ती की योजना तैयार रखी थी।

सूत्र ने कहा कि इन नई भर्तियों के साथ इसके कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 40,000 तक पहुंच जाती। सूत्रों ने खुलासा किया कि फॉक्सकॉन चीनी तकनीकी विशेषज्ञों की जगह वियतनाम के इंजीनियरों को नियुक्त कर सकती है। अपने इंजीनियरों को वापस बुलाने के चीन सरकार के कदम के पीछे उसकी संरक्षणवादी मानसिकता है। वहां की सरकार भारत को तकनीक हस्तांतरण एवं उपकरणों के निर्यात में भी अड़ंगा लगा रही है। फॉक्सकॉन के कदम पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें इससे कोई खास दिक्कत होती नहीं दिख रही है।

न्यूज ब्रीफ

वरिष्ठ नौकरशाह एपी दास जोशी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के सचिव नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ नौकरशाह एपी दास जोशी को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का सचिव नियुक्त

किया है। कार्मिक मंत्रालय के जारी आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में सचिव के रूप में एपी दास जोशी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। असम-मेघालय काडर के 1994 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी जोशी वर्तमान में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) में अतिरिक्त सचिव हैं। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण सचिव संजीव चोपड़ा इस वर्ष 31 मई को सुब्रत गुप्ता के सेवानिवृत्त होने के बाद से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं।

मॉयल ने जून में रिकॉर्ड 1.68 लाख टन मैंगनीज अयस्क का किया उत्पादन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मॉयल लिमिटेड ने जून महीने में 1.68 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2 फीसदी अधिक है। कंपनी ने अपनी स्थापना के बाद से रिकॉर्ड तिमाही उत्पादन दर्ज किया है। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) की अवधि के दौरान मॉयल लिमिटेड का 5.02 लाख टन का अबतक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही उत्पादन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.8 फीसदी अधिक है। इसके अलावा 34,900 मीटर की अबतक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम तिमाही अन्वेषीकोर ड्रिलिंग है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 16.2 फीसदी अधिक है। मॉयल लिमिटेड के अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक अजित कुमार सक्सेना ने कंपनी के परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का शानदार प्रदर्शन कंपनी की मजबूत बुनियाद और निरंतर विकास की संभावनाओं को दर्शाता है। मैंगनीज अयस्क का खनन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की मॉयल लिमिटेड भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन एक मिनीरत्न कंपनी है।

मुकेश बना रहे नई कंपनी नाम रखा न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड

नई दिल्ली। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने सभी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) ब्रांड्स को अलग करने का बड़ा फैसला लिया है। ये ब्रांड अभी रिलायंस की रिटेल कंपनियों आरआरवीएल, आरआरएल, आरसीपीएल के अंदर थे। अब इन्हें एक नई अलग कंपनी में रखा जाएगा, जिसका नाम न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड होगा। यह नई कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी। यह जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण है कि इन एफएलसीजी ब्रांड्स को विशेष और पूरा ध्यान मिल सके। रिलायंस का कहना है कि एफएलसीजी का बिजनेस पूरी तरह अलग है। इसमें ब्रांड बनाना, उत्पादों पर रिसर्च करना, उन्हें बनाना, बांटना और उनकी मार्केटिंग करना है। इसके लिए अलग कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है, जो सामान्य रिटेल बिजनेस से अलग है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के एक आदेश में भी कहा गया है कि यह कदम एक अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित करेगा। मुकेश अंबानी पहले ही अपनी रिटेल और टेलीकॉम कंपनियों के लिए आईपीओ लाने का संकेत दे चुके हैं। कंपनी के लोगों का मानना है कि यह रीस्ट्रक्चरिंग रिटेल बिजनेस को शेयर बाजार में लाने की तैयारी है। एफएलसीजी बिजनेस को अलग करने से रिटेल कंपनी का वैल्यूएशन बेहतर होगा। फिलहाल रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) का वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर यानी करीब 8.5 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है, जो इसके आईपीओ को हाल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक बना सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के बाद मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र का कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वही एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर खरीदारी का जोर बना हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,227.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 190.24 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की छलांग लगा कर 20,393.13 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 44,556.07 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,774.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.98 प्रतिशत उछल कर 7,738.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 116.82 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,790.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आम तौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 250.79 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,970.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत फिसल कर 4,005.31 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,543.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,807.98 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में अच्छी तेजी नजर आ रही है।

ईटीएफ में पांच सालों में हुई पांच गुना बढ़ोतरी, निवेशकों की बनी पसंद

नई दिल्ली। भारत में एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स ने पिछले पांच सालों में रफ्तार पकड़ ली है। मार्च 2025 तक इनका एसेट अंडर मैनेजमेंट पांच गुना से बढ़कर 8.38 लाख करोड़ हो गया है, जो मार्च 2020 में मात्र 1.52 लाख करोड़ था। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईटीएफ अब कुल म्युचुअल फंड एयूएम का 13 फीसदी हिस्सा बन चुके हैं, जबकि 2020 में यह हिस्सा 7 फीसदी ही था। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में न केवल निवेश की राशि बढ़ी है, बल्कि स्कीम्स की संख्या भी तीन गुना हो गई। 2022 में सिल्वर-समर्थित कमोडिटी ईटीएफ के आगमन ने निवेशकों को और ज्यादा विकल्प दिए हैं। मार्च 2020 में जहां ईटीएफ में रिटेल निवेशकों की एयूएम सिर्फ 5,335 करोड़ थी, वहीं मार्च 2025 तक यह बढ़कर 17,800 करोड़ से ज्यादा हो गई है। वहीं रिटेल फोलियो की संख्या 23.22 लाख से उछलकर 2.63 करोड़ पर पहुंच गई यानी दस गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जेरोधा के सीईओ का मानना है कि यह रुझान भारतीय ईटीएफ सेक्टर की परिपक्वता का संकेत है। ईटीएफ में ट्रेडिंग भी तेजी से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2019-20 में ईटीएफ ट्रेडिंग वॉल्यूम 51,101 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर 3.83 लाख करोड़ हो गया यानी सात गुना से ज्यादा इसमे बढ़ोतरी हुई है। सिर्फ पिछले एक साल में ही ट्रेडिंग वॉल्यूम दोगुना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक कुल ईटीएफ निवेश का औसतन 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी आधारित ईटीएफ में है, जो दर्शाता है कि शेयर बाजार में हिस्सेदारी के लिए यह उत्पाद तेजी से निवेशकों की पसंद बन रहा है।

पतंजलि के खिलाफ डॉबर इंडिया को मिली राहत, भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन पर रोक

नई दिल्ली

योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने डाबर इंडिया लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई कर पतंजलि को डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ किसी भी तरह के भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया है।

दरअसल डाबर इंडिया ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि पतंजलि अपने टीवी विज्ञापनों के जरिए डाबर च्यवनप्राश को बदनाम कर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रही है। डाबर इंडिया का आरोप है कि पतंजलि ने डाबर के उत्पाद को साधारण बताकर उसकी छवि खराब करने की कोशिश की। इसके अलावा, पतंजलि के विज्ञापन में इस बात का दावा किया गया कि उनका च्यवनप्राश 51 से अधिक जड़ी-बूटियों से बना है, जबकि डाबर के अनुसार इसमें केवल 47 जड़ी-बूटियां हैं। इस पर डाबर ने आरोप लगाया कि पतंजलि के उत्पाद में पारा मिला हैं, जो बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है।

डाबर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने बताया कि पतंजलि ने भ्रामक और गलत दावा कर यह जताने की कोशिश की कि वहीं एकमात्र असली आयुर्वेदिक च्यवनप्राश बनाता है, जबकि डाबर जैसे पुराने ब्रांड को साधारण साबित करने में लगा है। वहीं पतंजलि की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयंत मेहता ने सभी आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि उनके उत्पाद में सभी जड़ी-बूटियां आयुर्वेदिक मानकों के अनुसार हैं और उत्पाद पूरी तरह से मानव उपभोग के लिए सुरक्षित है।

बात दें कि डाबर ने बताया कि च्यवनप्राश के बाजार में उसकी 61.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है और पतंजलि का इस तरह का प्रचार एक प्रतिस्पर्धी रणनीति है जो उसके ब्रांड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है।

मामले में दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा की अध्यक्षता वाली पीठ ने डाबर इंडिया को महत्वपूर्ण अंतरिम राहत प्रदान की है। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को तय की गई है।

माइक्रोसॉफ्ट कंपनी फिर 9 हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी

माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने वैश्विक कार्यबल के 4 फीसदी यानी कि करीब 9000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। यह 2023 के बाद कंपनी की सबसे बड़ी छंटनी होगी। जून 2024 तक माइक्रोसॉफ्ट में करीब 2,28,000 कर्मचारी काम कर रहे थे। इस नई छंटनी की पुष्टि के लिए कंपनी ने रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट में एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट विशेष रूप से बिक्री विभाग मे हजारों कर्मचारियों हटाने की योजना बना रही है। इससे पहले मई 2025 में भी कंपनी ने करीब 6,000 कर्मचारियों को निकाल दिया था। माइक्रोसॉफ्ट अकेली ऐसी कंपनी नहीं है जो इस तरह के फैसले ले रही है। अमेरिका में कई बड़ी कंपनियों ने आर्थिक अनिश्चितता और संचालन लागत में कटौती के चलते 2025 में छंटनियां की थी।

अगर करदाता ने छुपाई आय.....आयकर विभाग लगा देगा 200 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली

अगर कोई करदाता अपनी आय छिपाता है, आय के स्रोत नहीं बताता या गलत तरीके से टैक्स छूट का दावा करता है, तब उस करदाता को भारी जुर्माना या कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। चाहे यह गलती अनजाने में हो या जानबूझकर हुई हो, आयकर विभाग के पास गड़बड़ियों का पता लगाने के लिए मजबूत सिस्टम और सख्त दंड लगाने या मुकदमा चलाने का कानूनी प्रावधान मौजूद है। इस बारे में चार्टर्ड अकाउंटेंट बताते हैं कि कानून क्या कहता है और करदाताओं को किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

सीए के अनुसार, आयकर अधिनियम के अलग-अलग प्रावधानों के तहत जुर्माना इसपर निर्भर करता है कि गड़बड़ी किस प्रकार की है। यदि करदाता ने अपनी आय कम दिखाई है, तब कारदातों को उस अतिरिक्त आय पर देय टैक्स का 50 प्रतिशत जुर्माने के रूप में देना पड़ सकता है।

यदि कोई करदाता जानबूझकर गलत जानकारी देता है, जैसे फर्जी बिल या झूठे दावे करता है, तब उस आय पर देय टैक्स का 200 प्रतिशत जुर्माना लगाया जा सकता है। आय छिपाने के मामले में यह प्रावधान पुराने असेसमेंट वर्षों (वित्त वर्ष 2016-17 से पहले) के लिए लागू होता है। इसमें बचाए गए टैक्स का 100 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है। यदि कोई निवेश स्पष्ट रूप से घोषित नहीं किया गया है, तब उस पर 60 प्रतिशत टैक्स, सर्चार्ज और सेस के साथ-साथ 10 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाता है।

इतना ही नहीं अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर टैक्स चोरी करता है, तब उस पर मुकदमा चल सकता है। इसमें तीन महीने से लेकर सात साल तक की सजा हो सकती है, खासकर तब जब चोरी की गई टैक्स राशि 25 लाख से अधिक हो। इसके अलावा धारा 234ए, 234बीऔर 234सी के तहत भी ब्याज जुर्माना लगता है, जो कि टैक्स रिटर्न देर से भरने, टैक्स की कम अदायगी या अग्रिम कर समय पर नहीं देने के मामलों में लागू होता है।

अडानी ग्रुप 'एक कारोबार, एक कंपनी' की बना रहा रणनीति

एक छत के नीचे लाएगा सभी सीमेंट कंपनियों को, अल्ट्राटेक को देगा टक्कर

नई दिल्ली

अडानी समूह ने 'एक कारोबार, एक कंपनी' रणनीति के तहत अपने सभी सीमेंट कारोबार को एक ही कंपनी के तहत एकीकृत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके जरिये कंपनी अपने सीमेंट कारोबार को सुचारु एवं व्यवस्थित करना चाहती है जहां अंबुजा और एसीसी दोनों प्रमुख ब्रांड मौजूद हों।

समूह ने इस एकीकरण योजना के तहत हाल में अधिग्रहीत अपनी दो कंपनियों सांघी इंडस्ट्रीज और पेन्ना सीमेंट को अंबुजा सीमेंट्स में विलय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट में इस मामले को जानने वालों ने बताया कि यह प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी होने की उम्मीद है। समूह ने मूल ब्रांड के तौर पर 'अडानी सीमेंट' बढ़ावा देने की योजना बनाई है। उसने ब्रांड जागरूकता की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक पिछले साल अक्टूबर में सीके बिड़ला ग्रुप से अधिग्रहित ओरियंट सीमेंट अब अडानी सीमेंट के तहत एक विनिर्माण इकाई के तौर पर काम करेगी। अधिकारियों ने कहा कि विरासती ब्रांड और मूल्य निर्धारण में अंतर के बावजूद मात्रात्मक लिहाज से ओरियंट सीमेंट को बिना कोई नुकसान पहुंचाए आसानी से एकीकृत किया जा चुका है। ओरियंट सीमेंट के करीब 60 फीसदी डीलरों ने अंबुजा और एसीसी उत्पादों का स्टॉक रखना पहले ही शुरू कर दिया है। इससे जमीनी स्तर पर ब्रांड एकीकरण का संकेत मिलता है। इस रणनीति का उद्देश्य परिचालन को सरल बनाते हुए लागत को घटाना और बाजारों में ब्रांडों की मौजूदगी को बेहतर करना है। पिछले एक साल में कई आक्रामक अधिग्रहण करने के बाद अडानी ग्रुप ने सीमेंट क्षेत्र में अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पहल की है।

कई सीमेंट इकाइयों के विलय के बाद सुदृढ़ीकरण की भी योजना है। इसके तहत अंबुजा सीमेंट्स अपनी सहायक कंपनी एसीसी के साथ विलय पर गंभीरता से विचार कर सकती है। करीब 14 करोड़ टन क्षमता वाली अडानी ग्रुप की सभी सीमेंट परिसंपत्तियां एक ही छत के नीचे आ जाएंगी। इससे उद्योग की अग्रणी कंपनी अल्ट्राटेक को टक्कर देने में मदद मिलेगी। बता दें अडानी ग्रुप फिलहाल देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है। उसने सालाना 20 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। इसके तहत वह 2030 तक 20 करोड़ टन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रख रही है। अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 2.5 फीसदी बढ़त के साथ 594 रुपए पर बंद हुआ जिससे उसका कुल बाजार मूल्यांकन 1.46 लाख करोड़ रहा।

ओमंग कुमार की फिल्म सिला में नजर आएंगे हर्षवर्धन राणे

सनम तेरी कसम फिल्म से सबके दिलों में छा जाने वाले अभिनेता हर्षवर्धन राणे अब एक शानदार फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसका पोस्टर और टाइटल रिवील कर कर दिया गया है। बीते दिनों अभिनेता को इस आगामी फिल्म की तैयारी करते हुए देखा गया था।

हर्षवर्धन राणे की आगामी फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। इसे अभिनेता ने अपने इंस्टग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्टर में अभिनेता के साथ सादिया खतीब नजर आ रही हैं, जिसमें एक्टर ने सादिया को जोर से पकड़ रखा है। इसके साथ ही दोनों को घायल अवस्था में देखा जा सकता है, जिसमें वे खून से लथपथ दिख रहे हैं। इस पोस्टर को रिलीज करते हुए फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के टाइटल का भी एलान कर दिया है। इस फिल्म का नाम है सिला।

फिल्म के बारे में

हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब की आगामी फिल्म सिला का निर्देशन ओमंग कुमार कर रहे हैं। इसके अलावा आपको बताते चलें कि फिल्म में निगेटिव रोल में करणवीर मेहरा नजर आएंगे। वहीं इस फिल्म की शूटिंग कल यानी 01 जुलाई से शुरू हो रही है। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। नेटिजंस कमेंट सेक्शन में लिखा रहे हैं कि पोस्टर से लग रहा है कि फिल्म शानदार साबित होगी।

हर्षवर्धन राणे का वर्कफ्रंट

हर्षवर्धन राणे के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। फिल्म 02 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी द्वारा किया गया है। फिल्म में अभिनेता के साथ सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

डिजिटल डेब्यू को तैयार वाणी; पहली बार इस अंदाज में आएंगी नजर

हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आईं अभिनेत्री वाणी कपूर अब अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं। वो यशराज के नए शो में नजर आने वाली हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होना है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपनी नई सीरीज का पोस्टर जारी कर दिया है, इसमें वाणी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आने वाली हैं। पोस्टर के साथ ही इसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

नेटफ्लिक्स की ओर से अपनी नई सीरीज 'मंडाला मर्डर्स' का पोस्टर जारी किया गया है। पोस्टर में वाणी कपूर के साथ सुरवीन चावला, 'गुल्लक' फेम एक्टर वैभव राज गुप्ता और अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर नजर आ रही हैं। पोस्टर में वाणी बंदूक ताने दिख रही हैं, जबकि सुरवीन चाहला हाथ जोड़े महिला नेता के किरदार में नजर आ रही हैं। जबकि वैभव राज गुप्ता बियर्ड लुक में आंखों पर ब्लैक चश्मा लगाए दिख रहे हैं। पोस्टर में श्रिया पिलगांवकर काफी सजी-धजी खड़ी हैं।

25 जुलाई को होगी रिलीज

पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'हर वरदान में एक श्राप छिपा है। मोल चुकाने का वक्त जल्द आने वाला है।' इसके साथ ही इस सीरीज की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है। नेटफ्लिक्स की ये नई सीरीज 25 जुलाई को रिलीज हो रही है। इसे यशराज फिल्म ने प्रजेंट किया है।

'रेड 2' में अजय देवगन के साथ नजर आई थीं वाणी

वाणी कपूर हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आई थीं। वो फिल्म में अजय देवगन के किरदार अमय पटनायक की पत्नी की भूमिका में नजर आई थीं। इसके अलावा सुरवीन चावला हाल ही में रिलीज हुए नेटफ्लिक्स के ही शो 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में दिखी थीं। इसके अलावा वो पंकज त्रिपाठी के शो 'क्रिमिनल जस्टिस' के चौथे सीजन में भी नजर आई हैं। वहीं श्रिया पिलगांवकर हाल ही में जी5 की सीरीज 'छल कपट- द डिसेप्शन' में नजर आई थीं।

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं विद्या बालन

अभिनेता, निर्माता और निर्देशक रितेश देशमुख पिछले काफी समय से फिल्म राजा शिवाजी को लेकर चर्चा में हैं। वह न सिर्फ इसमें लीड रोल निभा रहे हैं, बल्कि इसके निर्देशन की कमान भी संभाल रहे हैं। अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। इसकी कास्ट और बड़ी हो गई है, क्योंकि रितेश और उनकी टीम ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विद्या बालन को फिल्म में शामिल कर दिया है। विद्या एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं, जो भारतीय इतिहास के सबसे दमदार अध्यायों में से एक की कहानी कहती है। उन्होंने फिल्म के लिए फौरन हां कर दी। रितेश भी विद्या के साथ काम करने के लिए उतावले हो रहे हैं। सूत्र ने आगे बताया कि विद्या ने फिल्म के लिए अपना लुक टेस्ट पहले ही करवा लिया है और अब वह जल्द ही सेट पर शूटिंग में शामिल होंगी।

हेरा फेरी 3 पर रिलीज के बाद ही बात करूंगा

अभिनेता सुनील शेट्टी हिंदी भाषा और अपकमिंग फिल्म 'हेरा फेरी 3' पर बात की। अभिनेता ने हिंट दिया कि फिल्म को लेकर फिर से दर्शकों को मजा आएगा। कॉमेडी से भरपूर फिल्म परिवार के साथ देखने वाली है, जो बड़े-बच्चों के साथ सभी को पसंद आएगी। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं अब फिल्म के बारे में बात रिलीज के दिन ही करूंगा। इसके साथ ही उन्होंने ओटीटी और फिल्म पर भी बात की। शेट्टी ने सिनेमाघरों को 'पापा' की संज्ञा और देते हुए ओटीटी को बच्चों की संज्ञा दी। उन्होंने बताया, कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स आ चुके हैं और यह अच्छी बात है। दरअसल, सिनेमाघर 'पापा' हैं और ओटीटी उनके बच्चे हैं। बच्चे हर हाल में पिता के लिए अच्छे होते हैं। वे सपोर्ट ही करते हैं। अभिनेता ने बताया कि यदि किसी चीज में बदलाव चाहिए तो उसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए। उन्होंने पाकिस्तानी एक्टर्स पर लगे प्रतिबंध पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेता ने बताया, रिश्ते तो हमेशा ऊपर-नीचे होते ही रहते हैं। पहलगाम की बात करें तो मेरा मानना है निश्चित तौर पर बैन होना चाहिए। जब तक माहौल सही न हो जाए। बात केवल कला की नही है। राजनीति, खेल और एंटरटेनमेंट सभी क्षेत्रों को यह बात समझनी होगी।

केके मेनन ने बताया को-एक्टर के साथ कैसा बर्ताव करते हैं बिग बी

अभिनेता केके मेनन इन दिनों अपने आगामी वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता शो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान केके मेनन ने बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को लेकर बात की और उन्हें भगवान का बच्चा बताया। उन्होंने बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया।

अमिताभ बच्चन आज भी नए कलाकार की तरह काम करते हैं

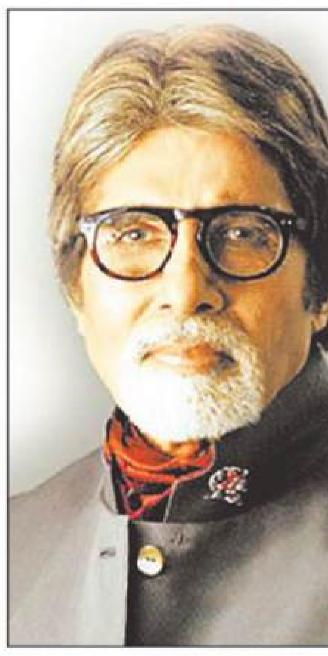

पॉडकास्ट में केके मेनन ने इस दौरान अपने शो से इतर कई मुद्दों पर बात की। बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा करते हुए केके मेनन ने उनकी तारीफ की। अभिनेता ने कहा, 'अमिताभ बच्चन भगवान के बच्चे हैं। उनकी पीढ़ी वाले कौन हैं अभी जो एक्टिव हों, लेकिन वो आज भी उतने ही सक्रिय हैं। वह आज भी प्रासंगिक हैं। वह हर सुबह उठते हैं और एक्सरसाइज करना शुरू कर देते हैं। हम इसे चमत्कार और जादू कहते हैं। मैंने सीखा है कि अगर कोई व्यक्ति जो इतना अनुभवी है, एक नए व्यक्ति की तरह काम कर रहा है, तो हम कौन हैं?'

बिग बी प्रतिभा और अनुशासन का बेहतरीन उदाहरण हैं

बिग बी के साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव को बताते हुए केके मेनन ने कहा कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। केके ने कहा कि बिग बी अपने को-एक्टर को काफी महत्व देते हैं। उन्होंने फिल्म 'सरकार' के समय को याद करते हुए एक सीन के दौरान अमित जी ने रामगोपाल वर्मा से मेरा क्लोजअप शॉट लेने को कहा क्योंकि वो चाहते थे कि मेरे हाव-भाव कैमरे में कैद हों। उन्होंने कहा कि बिग बी एक प्रतिभाशाली और अनुशासित अभिनेता हैं। अनुशासन के बिना प्रतिभा लंबे समय तक नहीं टिकती। अमिताभ बच्चन अनुशासन के साथ प्रतिभा का एक बेहतरीन उदाहरण हैं।

11 जुलाई को रिलीज होगा 'स्पेशल ऑप्स 2'

केके मेनन जल्द ही अपने वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' में नजर आएंगे। इस सीरीज में वो रॉ ऑफिसर हिम्मत सिंह का किरदार निभा रहे हैं। इस बार की सीजन एआई के बढ़ते प्रभाव से होने वाले नुकसान और साइबर अटैक पर आधारित है। इससे पहले 'स्पेशल ऑप्स' के दो सीजन आ चुके हैं और दोनों को ही लोगों ने काफी पसंद किया है। इस नए सीजन के ट्रेलर भी आते ही धमाल मचा दिया था। अब फैंस 11 जुलाई को जियो-हॉटस्टार पर रिलीज होने वाले इस शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

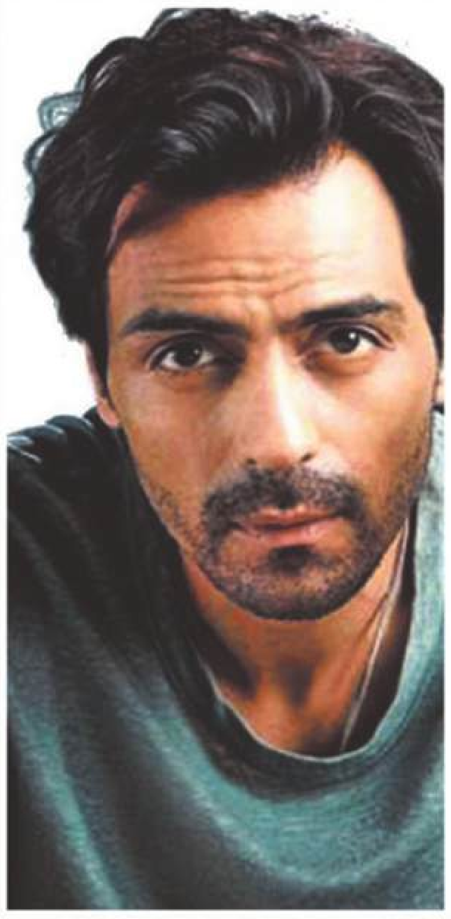

पहली फिल्म बनने में 6 साल लगे, रेंट के पैसे नहीं थे, मॉडल है एक्टिंग नहीं आती कहकर नकारा गया

एक जमाने में सुपर मॉडल रहे अर्जुन रामपाल ने जब फिल्मों में कदम रखा, तो मॉडल होने के नाते उन्हें लंबे समय तक आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा कि मॉडल अभिनय नहीं कर सकते, मगर बीते 25 सालों में अर्जुन लगातार अपने क्राफ्ट पर काम करते गए और रॉक ऑन के यि उन्होंने सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी हासिल किया। इन दिनों वे खबरों में हैं अपनी नई वेब सीरीज राना नायडू से।

आप जब मॉडलिंग से फिल्मों में आए तो आपकी पहली फिल्म मोक्ष को बनने में पूरे 6 साल लग गए थे, वो समय आपके लिए कितना कठिन था?

मैंने जब अपनी पहली फिल्म मोक्ष के रशेज (कुछ दृश्य) देखे तो मुझे खुद से नफरत हो गई थी। मुझे लगा कि मैं कैमरे के सामने इतना स्टिफ क्यों लग रहा हूं। फिर मैंने उसका विश्लेषण किया और मैंने पाया कि मॉडल के रूप में हमें कैमरे के आगे विशेष तरह से चलने और पोज देने की ट्रेनिंग दी जाती है, मगर जब आप फिल्म करते हैं, तो आपको किरदार में ढलना होता है। आपको बुत की तरह खड़े नहीं रहना होता। उन रशेज को देखकर मैंने तय किया कि मैं एक्टर की दिशा में आगे कदम बढ़ाऊंगा, तो मैंने ऐलान कर दिया कि मैं मॉडलिंग से संन्यास ले रहा हूं। तब मैं नहीं जानता था कि मोक्ष को बनने में 6 साल लग जाएंगे। मैं मॉडलिंग छोड़ चुका था और मेरे इनकम का स्त्रोत भी बंद हो चुका था। बहुत मुश्किल समय था। कई बार मेरे पास किराया भरने के पैसे नहीं होते थे, मगर उस दौर ने बहुत कुछ दिया भी।

मॉडल होने के नाते जब आपको आलोचनाओं का शिकार भी होना पड़ा कि आप अभिनय नहीं कर सकते? मगर फिर आपको आगे चलकर राष्ट्रीय पुरस्कार (रॉक ऑन के लिए सहायक अभिनेता का) भी मिला?

बहुत दुख होता था, जब मुझे और मेरे अभिनय को क्रिटिसाइज किया जाता था। शुरुआत में जब आप नए होते हैं, तो आपको प्रोत्साहन चाहिए होता है, क्योंकि उस वक्त आप खुद असुरक्षित होते हैं कि आपको काम आता है या नहीं? ऐसे में जब आपके काम को बुरा बोला जाता है, तो बहुत तकलीफ होती है। किसी फिल्म पर आप साल भर मेहनत करते हो, फिर शुक्रवार को आप उसे दर्शकों को सौंप देते हो और अगर दर्शक उसे नकार दें, तो आप गिर जाते हो, टूट जाते हो। साइकोलॉजिकल रूप से यह आपको बहुत प्रभावित कर देता है। शुरू में तो मैं आलोचकों पंचिंग बैग बन गया था। मैं जितना उन्हें महत्व देता, वे उतनी अधिक आलोचना करते। फिर एक समय ऐसा आया कि मैंने तय किया कि मैं अब अपने किरदारों को अहमियत दूंगा। मैंने क्रिटिसिज्म की परवाह करना छोड़ दिया और उन्होंने मेरे बारे में कहना।

पहले मॉडलिंग फिर सिनेमा और अब ओटीटी, आपके लिए ये शिफ्ट कैसा है?

मेरे लिए ये शिफ्ट ज्यादा कुछ नहीं है। माध्यम तो अभिनय का ही है। काम भी वही है, लोग वही हैं, निर्देशक और कहानियां भी कमोबेश वही हैं। बस एक चीज जो अलग है, वो ये कि आपको अपने किरदार पर काम करने का अधिक समय मिल जाता है। कहानी परतदार होती है। इन दिनों मैं ओटीटी पर काफी इंडियन और विदेशी कॉन्टेंट देख रहा हूं और मैंने पाया कि जिन शोज के किरदार और कहानियां मजबूत होती हैं, उनकी ग्रिप भी सुदृढ़ होती है, तो ये मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं। मैंने अपने करियर में जो भी रोल किए हमेशा से खुद को किरदार के रूप में देखा। अब तो जो फिल्में या ओटीटी पर शोज बन रहे हैं, उसमें दर्शक एक्टर को नहीं बल्कि किरदारों को देखना चाहते हैं और साथ ही ये देखना चाहते हैं कि उन चरित्रों के साथ अभिनेता ने न्याय किया या नहीं, तो मेरे लिए ये बहुत अच्छा समय है, क्योंकि मुझे उस तरह के चरित्र मिल रहे हैं, जिनमें मैं प्रवेश कर सकता हूं। वेब सीरीज के साथ मैं फिल्में भी कर रहा हूं।

आपकी ताजातरीन वेब सीरीज राना नायडू में सितारों का मेला लगा हुआ है, तो इसका हिस्सा बनते हुए मन में कोई असुरक्षा थी कि आपकी भूमिका क्या आकार लेगी?

अगर आप मेरा करियर देखेंगी तो मैं इंडस्ट्री के तमाम बड़े सितारों के साथ काम कर चुका हूं। मैंने कई मल्टी स्टार कास्ट फिल्में भी की हैं, तो मैं कभी भी किसी इंसिक्योरिटी के साथ नहीं आता। एक अभिनेता के रूप में जब आप स्क्रिप्ट पढ़ रहे होते हैं, तो आपको कुछ उस वक्त फैसला लेना होता है कि क्या मैं इस किरदार के साथ इंसाफ कर पाऊंगा? क्या अभिनेता के रूप में यह मुझमें कुछ जोड़ेगा? उस वक्त अपने निर्देशक के साथ रोल को लेकर आपके सारे डिस्कशन हो जाने चाहिए। आपको कुछ कमी लग रही है, तो उस पर भी बात हो जानी चाहिए, ताकि सेट पर सब कुछ स्पष्ट रहे। मुझे जब इस भूमिका का प्रस्ताव मिला, तो यह किरदार मुझे काफी जटिल लगा। जिसके कारण इसकी लेयरिंग भी थी। मैंने निर्देशक करण अंशुमन से सारी चीजें डिस्कस करने के बाद यही कहा कि आप जब लिखेंगे, तो मेरे किरदार को ऐसे लिखिएगा कि मुझे उसे निभाते हुए थोड़ी छूट मिल सके।

बिलौआ रपटटा और ग्राम हराई के पुल के ऊपर से बह रहा पानी, आधा दर्जन गांव में बाढ़ की आशंका, पुलिस एलर्ट

पोहरी

पोहरी विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आने बाले बिलौआ पुल के ऊपर से लगातार बारिश के चलते अचानक पानी आ जाने से जहां पर कई गांव का आवा गमन प्रभावित हुआ है तो वही कई गाँवो में बाढ़ जैसे हालात निर्मित होने की आशंका है, ओवरफ्लो पानी होने से प्रशासन सहित गांव वालों का भी आवागमन बंद हो चुका है वही गांव में भी तीन से चार फीट पानी बढ़ चुका है जिसमें चार पहिया वाहन तक नहीं निकल पा रहे है बिलौआ रपटटा पर पानी का जलस्तर बढने से आसपास के पास बसे बिलौआ हिनोतिया ,मेहदेवा, डोभा ,गल्थुनी ,चाँदपुर ,मेहलोनी लेगढा पारा ,जीगनी ,छर्च ,बागलोन ,गाजेट ,खरवाया तिघरा मानपुर, आन्नदपुर गाँवो को जाने के लिए

आवागमन शाम तक बंद रहा बही कोई रपपटे से न निकले इसके लिए छर्च पुलिस मौके पर तैनात रही जिससे कोई भी रपटटा से होकर नही जा सके इसके अलावा हर ई गाँव और टोरिया पुल के ऊपर से पानी का जलस्तर बढ जाने से गाँवो मे पानी भरा वही हराई सहित बरखेडी सिलपरी रायपुर कुपरेडा ऐचबाडा गुरिच्छा टोरिया धतूरा अमरपुर बगौदा आदि गाँवो का आवागमन बंद हो गया था वही इन गाँवो मे बाढ जैसा खतरा मडराराने लगा था वही बैराड सहित जौराई गाँव मे तो घरो मे पानी घुस गया व एक कार डूब कर वहने लगी जिसको गाँव बालो की मदद से निकालने का प्रयास किया क्षेत्र में पानी की समस्याओं को देखते हुए पोहरी विधायक कैलाश कुशबाह ने कही गाँवो मे जाकर भ्रमण किया व खेतो मे पानी भर जाने से व जिनको

नुकसान हुआ है उनको हर संभव मदद का आश्वासन दिया ।

ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करने की मांग

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या का आरोप

शिवपुरी, ब्यूरो

जिले के इंदार थाना क्षेत्र के इंदार गांव में दहेज प्रताड़ना की एक गंभीर घटना सामने आई है। यहां 28 वर्षीय विवाहिता की मौत जहर खाने से हो गई। मायका पक्ष का आरोप है कि ससुरालियों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर उसकी जबरन जहरीला पदार्थ खिलाकर हत्या कर दी। शनिवार को मायके पक्ष के लोग शव लेकर इंदार थाना पहुंचे और ससुराल पक्ष के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। जानकारी के अनुसार, मृतका रानी उर्फ रानो रघुवंशी की शादी फरवरी 2020 में इंदार गांव निवासी विशाल रघुवंशी के साथ हुई थी। रानी के भाई बालिस्टर रघुवंशी ने आरोप लगाया कि शादी में भरपूर दहेज दिया गया था। डेढ़ वर्ष पहले विशाल के व्यवसाय के लिए धर्मकांटा खुलवाने के नाम पर 10 लाख रुपए लिए गए थे। दो महीने पहले कार की मांग की गई थी, जिसके बाद वेन्यू कार दिलवा दी गई। अब दो दिन पहले चार लाख रुपए की नई मांग की गई थी। बालिस्टर का आरोप है कि पैसे समय पर नहीं देने पर रानी के पति विशाल रघुवंशी, सास रामवती, ससुर राजेश और ननद विशाखा रघुवंशी ने रानी के साथ मारपीट की और उसे जबरन जहर खिला दिया। इसके बाद ससुराल पक्ष उसे गुना जिला अस्पताल ले गया। वहीं से मायका पक्ष को रानी के जहर खाने की सूचना दी गई। जब तक वे अस्पताल पहुंचे, रानी की मौत हो चुकी थी। शनिवार को गुना जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद मायका पक्ष शव लेकर इंदार थाना पहुंचा और ससुराल वालों पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। इस मामले में इंदार थाना प्रभारी दिनेश नरवरिया का कहना है कि मर्ग गुना पुलिस द्वारा कायम किया गया है। मर्ग डायरी और पीएम रिपोर्ट आने के बाद मायके पक्ष के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वृद्ध महिला के सोने के फूल एवं घटना में प्रयुक्त बाईक बरामद कर उप्र के दो आरोपी किए गिरफ्तार

फिजीकल थाना पुलिस द्वारा धोखाधड़ी करने बाली अंतर्राज्यीय टीम का किया खुलासा

शिवपुरी, ब्यूरो

पुलिस थाना फिजीकल के द्वारा धोखाधड़ी करने वाली अंतर्राज्यीय टीम का खुलासा करते हुए उप्र के दो आरोपयों को गिरफ्तार किया गया और आरोपियों के कब्जे से एक वृद्ध महिला के सोने के फूल व घटना में प्रयुक्त बाईक बरामद की गई है। इस मामले में थाना फिजीकल में फरियादिया कौशा राठौर पत्नी स्व. कल्लूराम राठौर उम्र 70 साल निवासी आँगनवाडी के सामने घोसीपुरा ने 2 जुलाई की सुबह 10.30 बजे काली माता मंदिर व नवगृह मंदिर के बीच दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चमकीली चीज देकर छल से मेरे कान के सोने के फूल उतरवाकर ले जाने के सबंध मे रिपोर्ट की थी जिस पर से थाना फिजीकल पर अपराध क्रमांक

173/25 धारा 318 (4) बी एन एस का कायम कर विवेचना मे लिया गया । पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, अति. पुलिस अधीक्षक संजीव मुले, सी.एस.पी. संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में तत्परता दिखाते हुये फिजीकल थाना पुलिस द्वारा मुखविरों को अज्ञात आरोपियों की पतारशि हेतु मामूर किया गया और मुखबिर की सूचना पर करबला रोड धोबी घाट के पास मो.सा. क्रमाकं यू पी 15 ई एस 8306 के साथ दो व्यक्तियों तसलीम खान पिता लियाकत अली उम्र 24 साल निवासी हस्तनापुर जिला मेरठ यूपी एवं वाजिद खान पिता अहमद खान उम्र 35 साल निवासी सैफपुर फिरोजपुर थाना बेहसुआ मेरठ यूपी को पकडा गया जिन्होने बताया कि वो लोगों को नग देकर उनकी परेशानी दूर करते है जो दोनों संदिग्धों से जब वृद्ध महिला के साथ हुई घटना के बारे में सख्ती से पूछताछ की तो उनके द्वारा घटना कारित करना स्वीकार किया। आरोपीगणों के कब्जे से वृद्ध महिला से लिये हुये सोने के फूल जप्त किये गये। आरोपीगणो से छल में उपयोग में लाने वाले चमकीले नग अलग अलग रंग के व पीतल कांसे जैसे दो कटोरे व दो छोटी लकडी बरामद की गई एवं आरोपी वाजिद खान से घटना में प्रयुक्त मो.सा. क्रमाक यूपी 15 ई एस 8306 को जप्त की गई व दोनो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में निरीक्षक नवीन यादव, सउनि सुमित सेंगर, प्रआर राजवीरसिह, प्रआर अंकित सिंहद्व आर विजय मीणा, आर हरिओम यादवद्व आर नरेद्र राठोर, आर देवेन्द्र रावत शामिल है।

मेडिकल कॉलेज के डीन को सोपा पत्र , मिला ऑर्गन डोनेशन प्लेज सर्टिफिकेट

समाजसेवी अशोक अग्रवाल ने लिया अंगदान का संकल्प

शिवपुरी, ब्यूरो

शहर के जाने-माने समाजसेवी और पटेल पार्क को जीवंत बनाने वाले पत्रकार अशोक अग्रवाल ने अपनी मृत्यु उपरांत अपने शरीर के अंगों को दान करने का संकल्प लिया है ।इसके लिए उन्होंने बाकायदा एक पत्र लिखकर मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर प्रेषित किया है साथ ही अपने संकल्प को पूरा करने के लिए अपना संकल्प पत्र मेडिकल कॉलेज के डीन को भी दिया है। पत्रकारों से बातचीत में अशोक अग्रवाल ने बताया कि उनके द्वारा यह काम मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के बाद उससे प्रेरित होकर किया जा रहा है ।और वे यह भी चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ी भी इसके लिए प्रोत्साहित हो सके ।उनका कहना है कि समाज में ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें किसी न किसी अंग की आवश्यकता है लेकिन अंगदान का संकल्प लेने वालों की संख्या कम है। इसलिए आज जरूरत है कि लोगों को इस दिशा में प्रोत्साहित किया जाए। आपको बता दें कि समाजसेवी अशोक अग्रवाल को मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर गवर्नमेंट आफ इंडिया से अप्रूवल भी मिल गया, जिसका ऑर्गन डोनेशन प्लेज सर्टिफिकेट मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सौरभ चौहान द्वारा प्रदान किया गया।

पोहरी के अगर्रा में विधायक कैलाश कुशवाह ने 225 उड़द मिनिकिट का किया वितरण

पोहरी

पोहरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक कैलाश कुशवाह ने शुक्रवार दोपहर 3 बजे विकासखंड पोहरी की ग्राम पंचायत अगर्रा के नाहर बाले महादेव मंदिर प्रांगण में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) योजना अंतर्गत लघु एवं सीमांत अनुसूचित जनजाति वर्ग के 225 कृषकों को 4-4 किलो उड़द मिनिकिट निःशुल्क वितरित किए। इस अवसर पर विधायक कुशवाह ने कहा कि यह पहल किसानों के आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। जो गाँव की खुशहाली ओर कृषि समृद्दि को सुनिश्चित करता है।किसानों को चाहिए कि वे योजनाओं का लाभ लें और उन्नत खेती की दिशा में आगे बढ़ें।

किसानों से अपील की कि वे वितरित किए गए बीज की बुवाई कर उन्नत किस्म का बीज तैयार करें और आत्मनिर्भर बनें। बही बरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आर पी पचौरी ने खरीफ फसलों जैसे सोयाबीन, मूंग, तिल, धान और मूंगफली की उन्नत किस्मों की जानकारी दी और कहा कि बुवाई से पूर्व बीज उपचार अवश्य करें। साथ ही उन्होंने प्राकृतिक खेती के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

धान के खेत में करंट लगने से किसान की मौत

शिवपुरी, ब्यूरो

जिले के रन्नौद थाना क्षेत्र के पचावली गांव में शनिवार शाम एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह धान के खेत में पानी भरने के लिए मोटर चालू कर रहा था। करंट लगने से किसान की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मृतक राधेश्याम दांगी, संघेश्वर गांव का रहने वाला था। वह पचावली गांव में धान के खेत में काम कर रहा था। शनिवार शाम जब वह खेत में पानी भरने के लिए मोटर चलाने गया, तभी बिजली के तार में लगे कट की चपेट में आ गया। इससे उसे जोरदार करंट लगा और वह मौके पर ही गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसे कोलारस के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया,

जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर रन्नौद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रविवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। बताया गया है कि मृतक की अभी शादी नहीं हुई थी और वह बचपन से ही अपने मामा के गांव संघेश्वर में रह रहा था। हादसे के बाद से परिजन और ग्रामीण शोक में हैं।

रात को हुई झमाझम बारिश, कई कॉलोनी में जल भराव व बाढ़ जैसे हालात निर्मित हुए

शिवपुरी। शिवपुरी में बीती रात्रि से हो रही झमाझम बारिश के बाद कई क्षेत्र में जल भराव और बाढ़ जैसे हालत की स्थिति निर्मित हो गई है। शि+वपुरी के नमो नगर, कमला हेरिटेज होटल के आगे रोड, रेलवे स्टेशन रोड, यहां की पुलिस लाइन कॉलोनी, रामबाग कॉलोनी सर्किट हाउस रोड, पीएस होटल के पास कॉलोनी, वार्ड क्रमांक एक बछोरा आदि स्थान पर जल भराव और बाढ़ जैसे हालात की स्थिति निर्मित हो गई है। यहां पर नालों पर अतिक्रमण किए जाने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई है। पानी निकासी के कोई साधन नहीं है। खेतों में अवैध कॉलोनी काटने के कारण लोग बारिश के बाद परेशानी के हालात में पहुंच गए हैं। जिला प्रशासन की ओर से नगर पालिका और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जनता परेशानी में है। जिला मुख्यालय पर हुई झमाझम बारिश के चलते कई स्थानों पर जल भराव के हालात निर्मित हुए और इन हालातों का जायजा लेने के लिए स्वयं शिवपुरी विधायक देवेन्द्र जैन, नगर पालिका सीएमओ ईशांक धाकड़ के साथ निकले। शहर के उन स्थानों को चिह्नित किया गया जहां बारिश से लोगों के घरो में जल भराव हुआ ओर इन सभी स्थानों को जेसबी की सहायता से जल निकासी की व्यवस्था की गई साथ ही नगर पालिका के अमले के द्वारा भी छोटी-छोटी नालियों को साफ कराया गया ताकि जल भराव के हालात ना बने और जल निकासी हो सके। इस अवसर पर नगर पालिका सीएमओ ने भी नपा अमले को चुस्त दुरूस्त करके रखा।

विधायक देवेन्द्र जैन ने कलेक्टर को लिखा पत्र

शिवपुरी, ब्यूरो

शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र में लगातार बारिश के चलते शहर की प्रमुख सड़कों और रेलवे अंडर ब्रिजों पर जलभराव की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र कुमार जैन (पत्ते वाले) ने इस गंभीर समस्या को लेकर शिवपुरी कलेक्टर को पत्र लिखकर तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

विधायक जैन ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि पिपरसमा रोड, रातौर रोड तथा मनियर रोड पर बने रेलवे अंडर ब्रिजों में हर बार बारिश के बाद पानी भर जाता है। बारिश थमने के बाद भी इन अंडर ब्रिजों में पानी निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण आमजन का आवागमन पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है। इससे विद्यार्थियों, बुजुर्गों और रोजमर्रा के यात्रियों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। इसी तरह, शिवपुरी-पोहरी रोड पर ग्राम सिंहनियास स्थित सिद्ध पेट्रोल पंप से

लेकर जसराजपुर विद्युत उपकेन्द्र तक सड़क पर भी जलभराव की समस्या बनी हुई है। पानी निकासी की व्यवस्था न होने के कारण टू-व्हीलर और अन्य वाहन चालकों को गहरे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। विधायक जैन ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि संबंधित स्थानों पर जलभराव की तत्काल निकासी के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं और समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक लापरवाही और तकनीकी खामियों के कारण हर साल नागरिकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जनता ने भी नगर प्रशासन से मांग की है कि बारिश के मौसम में अंडर ब्रिज और मुख्य मार्गों पर जलनिकासी की बेहतर व्यवस्था की जाए, ताकि आने-जाने वालों को राहत मिल सके।

डाक सेवाओं’ का नया केंद्र बनेगा शिवपुरीः जसवंत जाटव

शिवपुरी, ब्यूरो

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की पहल पर इंडिया पोस्ट ने शिवपुरी को आधिकारिक रूप से नया %डाक मंडल% घोषित किया है यह न सिर्फ एक प्रशासनिक निर्णय है, बल्कि ग्वालियर-चंबल अंचल के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस परिवर्तन के बाद से शिवपुरी के लोगों को काफी मदद मिलेगी। शिवपुरी डाक मंडल का गठन, न सिर्फ एक सेवा विस्तार है बल्कि यह क्षेत्रीय विकास का आधार बनेगा।यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव ने शनिवार को स्थानीय पीएस होटल में आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कही। विधायक देवेंद्र जैन ने कहा कि डाक मंडल बनने से कई सुविधाएं मिलेंगी जिसमें पूरे क्षेत्र में डाक सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में अभूतपूर्व सुधार होगा। डाकघर बचत खाता (क्क्स्क्) व डाक जीवन बीमा (क्क्ढ्ढ) से जुड़े दावे व लाभ अब और तेज़ी से

निपटाए जा सकेंगे। ग्रामीण व दूरदराज़ के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को भी बैंकिंग और बीमा सुविधाएं सुलभ होंगी। पार्सल व मेल नेटवर्क का विस्तार, विशेष रूप से ई-कॉमर्स और व्यापारिक गतिविधियों के लिए, इस नए मंडल के ज़रिए तेज़ गति से होगा।इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष राजू बाथम, पूर्व विधायक प्रहलाद भारती, सांसद प्रतिनिधि राकेश जैन आमोल, मनीष अग्रवाल, हरिओम राठौर, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरवीर रघुवंशी, उपाध्यक्ष अशोक खंडेलवाल, पवन जैन, नवाब सिंह कुशवाह, जिला मंत्री मुकेश सिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष गिर्राज शर्मा, विपुल जैमनी, केपी परमार, कपिल भार्गव, जिला मीडिया प्रभारी विकास दंडौतिया, सह प्रभारी शुभ्रा शर्मा, सोशल मीडिया प्रभारी जितेंद्र राठौर आदि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण श्रीवास्तव, द्वारा भारतमत प्रेस कालका 51, सत्यदेव नगर गांधी रोड, ग्वालियर से मुद्रित एवं 27 बहार खाण्डे राव गेट गांधी भवन के सामने, झांसी से प्रकाशित , RNI No. UPHIN/2013/52735 स्थानीय संपादक तपस्वी श्रीवास्तव मो. 8518882202, फोन. 0510-2351835